दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 325 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 29 नवंबर 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने पीएम मोदी की तुलना महात्मा गांधी से करने पर की उपराष्ट्रपति धनखड़ की आलोचना

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच समानताएं दिखाने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने उपराष्ट्रपति पर निशाना साधते हुए कहा, उपराष्ट्रपति आश्चर्यचकित करना कभी नहीं छोड़ते। हालांकि, उन्होंने ज. का केक ले लिया है हमारे व्यक्तिगत विचार हो सकते हैं, लेकिन पूरी तरह से बेपरवाह होना चाहिए जिस पद पर कोई रहता है, वह विश्वास से परे है। दुख की बात है कि उप राष्ट्रपति पद भी आ गया हैज

उन्होंने एक समाचार रिपोर्ट भी संलग्न की, जिसमें सोमवार को जैन रहस्यवादी और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी को समर्पित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान धनखड़ द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र था। कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा, मैं एक बात कहना चाहूंगा, पिछली सदी के 'महापुरुष' महात्मा गांधी थे और नरेंद्र मोदी इस सदी के युगपुरुष हैं।

उन्होंने कहा, महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा से हमें अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को उस प्रगति के रास्ते पर ला दिया है, जिसे हम हमेशा देखना चाहते थे।

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने भी उपराष्ट्रपति पर निशाना साधा और उनकी टिप्पणियों को शर्मनाक करार दिया।

विकास बनाम महंगाई:देश की अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि के बावजूद महंगाई बनी चुनौती

नई दिल्ली । बीते पांच सालो के आंकड़ों का विश्लेषण करने से यह पता चलता है प्रतिव्यक्ति आय में औसत 56 फीसदी की वृद्धि हुई है। लेकिन इसी दौरान रोजमर्रा के सामान काफी महंगे होने से आम आदमी को राहत नहीं मिली है।

देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। प्रति व्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके बावजूद महंगाई पर काबू पाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।पिछले पांच सालों के आंकड़ों का विश्लेषण करने से यह पता चलता है प्रतिव्यक्ति आय में औसत 56 फीसदी की वृद्धि हुई है।लेकिन इसी अवधि में रोजमर्रा के सामान काफी महंगे होने से आम आदमी को जितनी राहत मिलनी चाहिए थी,नहीं मिली है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में 123 फीसदी तक बढ़ोतरी देखी जा सकती है।यही हाल मेडिकल बिलों का है,जिस पर प्रति व्यक्ति आय का करीब 10 फीसदी हिस्सा खर्च हो रहा है।

ऐसी स्थिति में 'सखी सइयां तो खूब ही कमात है पर महंगाई डायन खाए जात है' गीत की पंक्तियां सही साबित हो रही हैं।

शिक्षा विभाग के एकेडमिक कैलेंडर पर मचा बवाल

स्कूलों में मुस्लिम त्यौहारों पर अवकाश में बढ़ौतरी , रामनवमी-रक्षाबंधन पर छुट्टी रद्द

पटना/एजेंसी।

बिहार के स्कूलों में छुट्टियों को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। एक तरफ बिहार सरकार ने हिन्दू तीज त्यौहारों पर होने वाली छुट्टियों को या तो रद्द कर दिया या फिर छुट्टी के दिनों की संख्या कम कर दिया है। वहीं मुस्लिमों के त्यौहारों की छुट्टियों को बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में बिहार के शिक्षा विभाग की ओर से एकेडमिक कैलेंडर भी जारी किया गया है। इस कैलेंडर को देखते ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमले शुरू कर दिए हैं।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि एक बार फिर बिहार सरकार तुष्टिकरण का खेल खेलने लगी है। हिन्दू पर्व-त्यौहारों की छुट्टियों जैसे जन्माष्टमी, रामनवमी, रक्षा बंधन और शिवरात्रि की छुट्टी को रद्द कर दिया है। हिन्दुओं को जातियों में बांटने के बाद सीएम अब अल्पसंख्यकों के लिए तुष्टिकरण करने में जुटे हैं। उधर, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इसे इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ बिहार बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि नीतीश और लालू सरकार ने स्कूलों में मुस्लिम पर्व की छुट्टी बढ़ाई, हिन्दू त्योहारों में छुट्टी खत्म। कहा कि ईद मुहर्रम की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। यह भी गजवा-ए-हिन्द का एक हिस्सा है। इसी क्रम में अश्वनि कुमार चौबे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तुष्टिकरण के सरदार-बिहार के कुर्सी कुमार कहा है। उन्होंने अपने माइक्रो ब्लागिंग साइट एक्स पर लिखा है कि एक बार फिर चाचा-भतीजे की सरकार का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आया है। इस सरकार में एक तरफ जहां स्कूलों में मुस्लिम पर्व की छुट्टी बढ़ाई गई हैं, वहीं हिन्दू त्योहारों में छुट्टियां खत्म की जा रही हैं। इसी के साथ उन्होंने लिखा है कि लानत है वोटबैंक के लिए सनातन से घृणा करने वाली सरकार को बता दें कि बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने साल 2024 का एकेडमिक कैलेंडर जारी किया है। इसी कैलेंडर के मुताबिक सरकारी विद्यालयों का संचालन किया जाएगा। इस कैलेंडर में विभाग ने जो छुट्टियों की जानकारी दी है, इसमें हिन्दुओं के पर्व त्योहारों में छुट्टियों में कटौती की गई है।

नीतीश सरकार पर स्कूलों में हिंदू त्योहारों की छुट्टी खत्म करने का आरोप लगाते हुए बरसे गिरिराज सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार की नीतीश सरकार पर स्कूलों में शिवरात्रि और जन्माष्टमी जैसे महापर्व सहित हिंदू त्योहारों पर छुट्टी खत्म करने का आरोप लगाते हुए नीतीश कुमार और लालू यादव पर जमकर निशाना साधा है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि एक बार फिर से नीतीश सरकार ने तीसरी बार तुगलकी फरमान जारी कर हिंदू त्योहारों पर स्कूलों में छुट्टियां खत्म कर दी है। शिवरात्रि और जन्माष्टमी जैसे महापर्वों की छुट्टियों को काट दिया गया है और ईद-बकरीद की छुट्टी बढ़ा दी गई है।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इससे साफ जाहिर होता है कि नीतीश सरकार बिहार में इस्लामिक धर्म के आधार पर काम कर रही है और इसी कारण से अररिया, पूर्णिया और कटिहार जैसी जगहों पर शुक्रवार को स्कूलों में छुट्टी हो रही है और अब तो लगता है कि नीतीश सरकार पूरे बिहार में शुक्रवार को ही स्कूलों की छुट्टी करने की योजना बना रही है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि हिंदुओं के त्योहारों की जिन छुट्टियों को काटा गया है अगर बिहार सरकार ने उन्हें फिर से बहाल नहीं किया तो इसका खामियाजा नीतीश कुमार को आने वाले चुनाव में भुगतना पड़ेगा और भविष्य में नीतीश कुमार को मोहम्मद नीतीश और लालू यादव को मोहम्मद लालू के नाम से जाना जाएगा।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा था, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ बिहार। नीतीश और लालू सरकार ने स्कूलों में

दिल्ली में बारिश से प्रदूषण के स्तर में आई गिरावट, हवा की गुणवत्ता फिर भी 'बेहद खराब' श्रेणी में

नई दिल्ली/एजेंसी।

राष्ट्रीय राजधानी में बारिश से अस्थायी राहत मिली है क्योंकि प्रदूषण के स्तर में कमी आई है, लेकिन दिल्ली में वायु गुणवत्ता मंगलवार सुबह भी बहुत खराब श्रेणी में बनी रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से चार डिग्री अधिक है।

इस बीच, मौसम वैज्ञानिकों ने मंगलवार को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना जताई है, जबकि अधिकतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 24.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इसके अलावा, मंगलवार सुबह 8.30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में, राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार सुबह 8.30 बजे तक 7 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ लेकिन कई एक्यूआई निगरानी स्टेशनों पर यह अभी भी बहुत खराब श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार में पीएम 2.5 को 346 पर और पीएम 10 को 228 पर खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। जबकि सीओ 57 पर संतोषजनक श्रेणी में पहुंच गया और एनओ2 41 यानी अच्छा था।

बवाना स्टेशन पर पीएम 2.5 379 पर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि पीएम 10 खराब श्रेणी में 245 पर पहुंच गया, जबकि सीओ 75 या संतोषजनक पर पहुंच गया।

आया नगर में, पीएम 2.5 बहुत खराब श्रेणी में 328 पर पहुंच गया और पीएम 10 मध्यम श्रेणी में 183 पर था। सीओ को संतोषजनक श्रेणी के तहत 67 पर दर्ज किया गया था।

तेलंगाना चुनाव : चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन, राहुल-प्रियंका संयुक्त रूप से करेंगे प्रचार

हैदराबाद/एजेंसी। तेलंगाना के मतदाताओं को लुभाने के अपने आखिरी प्रयास में, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मंगलवार को शाम को प्रचार अभियान समाप्त होने से पहले संयुक्त रूप से एक रोड शो करेंगे और सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे। पार्टी नेताओं के मुताबिक, राहुल गांधी सबसे पहले हैदराबाद के जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में महमूद पैराडाइज फंक्शन हॉल में ऑटो चालकों, गिग श्रमिकों और स्वच्छता कर्मचारियों के साथ बातचीत करेंगे। क्रिकेटर से नेता बने मोहम्मद अजहरुद्दीन को जुबली हिल्स विधानसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान भी राहुल गांधी ने गिग वर्कर्स से बातचीत की थी, उनकी समस्याओं पर चर्चा की थी और बेंगलुरु में उनके साथ स्कूटर पर यात्रा की थी। अपने कार्यक्रम के बाद, राहुल गांधी सुबह 11 बजे हैदराबाद के नामपल्ली इलाके के गोकुल नगर चौरास्ता में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे, जबकि उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी सुबह 11 बजे जहीराबाद इलाके में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगी।

उत्तरकाशी टनल रेस्क्यू :

पहाड़ का दंभ चूर चूर, सीना चीर कर निकले गए सभी 41 मज़दूर

उत्तरकाशी/एजेंसी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा टनल से 17 वें दिन सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूर सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए है।

त्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा टनल में चल रही जिंदगी की ''महाभारत'' 16 दिन बाद खत्म हो गई। 17 वें दिन आज मंगलवार को सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूर सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए है। इन सभी मजदूरों को प्राथमिक उपचार और मानसिक तनाव के इलाज के लिए सीधे अस्पचाल पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौके पर मौजूद हैं।उधर प्रधानंत्री कार्यालय इस मामले पर पूरी नजर बनाए हुए है।

मजदूरों के निकलने के बाद वैज्ञानिकों,मजदूरों के परिवारों, प्रशासनिक अधिकारियों सहित इस अभियान में लगे हर शख्स के चेहरे पर अप्रीतम मुस्कान है। सुरंग के पास बनाए गए एक अस्थाई अस्पताल में सबसे पहले मजदूरों को प्राथमिक उपचार दिया गया है।मजदूरों की देख रेख के लिए डॉक्टरों और नर्सों की टीम को तैनात किया गया है।

» 6 दिनों से सुरंग में फंसे थे मजदूर

बताते चलें कि सभी 41 मजदूर दीपावली के दिन से टनल में फंसे हुए थेदिवाली की सुबह लगभग 5:00 बजे भूस्खलन के चलते यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित निर्माणाधीन सिलक्यारा-डंडालगांव सुरंग का एक हिस्सा अचानक ढह गया था,जिसके कारण 8 राज्यों के 41 मजदूर सुरंग में अंदर फंस गए।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम में थियोफिल मुर्मू को मिला बिरसा सिंचाई कूप का लाभ

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला के काठीकुंड प्रखंड में आयोजित आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान मनरेगा द्वारा मसनियां ग्राम निवासी थियोफिल मुर्मू को बिरसा सिंचाई कूप का लाभ। सिंचाई कूप के मिलने से थियोफिल मुर्मू के चेहरे से खुशी साफतौर पर झलक रही थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिरसा सिंचाई कूप मिलने से खरीफ सीजन में सिंचाई करने में आसानी होगी। किसानों को खेती में सहुलित के लिए राज्य सरकार किसानों की हर समस्या को दूर करने का प्रयास कर रही है। इसके लिए मैं राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद देता हूं।

बस की चपेट में आकर 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर थाना क्षेत्र के जीवनपुर-मुरालपुर पथ के बड़जोल के पास एक यात्री बस की चपेट में आकर 35 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना आज मंगलवार के अपराह्न की हैं।रानीश्वर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर थाना लाया हैं। सूत्रों के अनुसार बस चालक बस को लेकर पश्चिम बंगाल के मुरालपुर भाग गया हैं।

विद्यार्थियों के बीच पाठ्य पुस्तक,पोशाक एवं अन्य सामग्रियों का वितरण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड अंतर्गत सिमरा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाबूकदेली में मंगलवार को उप प्रमुख पूनम देवी के द्वारा बच्चों के बीच पाठ्य पुस्तक,पोशाक एवं अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया।इस मौके पर पूनम देवी के कहा कि झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा सभी वर्ग के बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक एवं पोशाक आदि सामग्री देने से प्राथमिक शिक्षा का स्तर मजबूत हुआ है। खासकर गरीब बच्चों को स्कूली शिक्षा में सहयोग मिल रहा है जो सरकार की अच्छी उपलब्धि है।इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता गौतम दर्वे,विद्यालय के प्रधानाध्यापक,शिक्षक,ग्राम प्रधान एवं अन्य छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण मौजूद थे।

बालू लदा ट्रैक्टर ने बाइक में मारी टक्कर, बाइक सवार दो गंभीर रूप से घायल

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर के मधुपुर थाना अंतर्गत मधुपुर - गिरीडीह मुख्य सड़क मार्ग पर दो वाहन में जोरदार टक्कर हुई है । इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।बालू लदा ट्रेक्टर और बाइक में टक्कर होने से बाइक सवार दोनो गंभीर घायल है । घायल युवक मो० सिद्धिक अंसारी व इसरारूल अंसारी देवघर जिला के सुग्गापहाड़ी गाँव के निवासी है।दोनो घायल युवको को प्राथमिक इलाज के बाद देवघर रेफर कर दिया गया है । घायलो की हालत चिंताजनक बनी हुई है।बताया जा रहा है कि दोनो युवक बाइक पर सवार होकर मधुपुर की ओर जा रहे थे , तभी विपरीत दिशा से आ रही बालू लदा ट्रेक्टर ने टक्कर मार दी।सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुँच ट्रेक्टर और बाइक को जब्त कर आगे की करवाई कर रही है।

खो-खो प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर खेल समिति का गठन, सौपीं गई जिम्मेवारी

मधुपुर। मंगलवार को मधुपुर महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 01 दिसम्बर 2023 को प्रस्तावित अंतर महाविद्यालय खो- खो प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु मधुपुर महाविद्यालय, मधुपुर के खेल समिति की एक बैठक प्राचार्य कक्ष में प्राचार्य डॉ रत्नाकर भारती की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें सर्व समिति से राजनीतिक विज्ञान के प्राध्यापक प्रेम रोशन एक्का को आयोजक सचिव बनाया गया। दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ भरत प्रसाद, डॉ रंजीत कुमार, महेंद्र एक्का, डॉ उत्तम शुक्ला, होरेन हांसदा, रंजीत प्रसाद, रामचंद्र झा, शिव नंदन राय को खेल आयोजन समिति के सदस्य मनोनीत किया गया । बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की खेल समिति सफल खो - खो टूर्नामेंट का आयोजन करेंगे । समिति खेल संबंधित सारी व्यवस्था समिति के सदस्यों द्वारा की जाएगी । समिति को दायित्व दिया गया है कि वह मधुपुर महाविद्यालय के खो- खो टीम को जल्द से जल्द तैयार करें , ताकि खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकें ।बैठक में समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

विधायक बसंत सोरेन ने किया एसपी कॉलेज का चहारदीवारी निर्माण का शिलान्यास

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय दुमका की चहारदीवारी निर्माण का शिलान्यास दुमका के लोकप्रिय विधायक बसंत सोरेन ने किया। इसके निमित करहड़बिल मौजा के ग्राम प्रधान प्रधान बेसरा के नेतृत्व में पारंपरिक विधि विधान से पूजा अर्चना कराई गई। विधायक वसंत सोरेन के महाविद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव के नेतृत्व में सभी शिक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया। सर्वप्रथम संताली विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ होलिका कुमारी मरांडी एवं फूलों झानो बालिका छात्रावास की सहायक अधीक्षका डॉ बसंती हांसदा की देखरेख में महाविद्यालय की छात्राओं ने पारंपरिक रूप से नृत्य - गान से स्वागत करते हुए महाविद्यालय के संस्थापक एवं दुमका के प्रथम सांसद बाबा लाल हेंब्रम की आदमकद प्रतिमा तक ले गए जहां विधायक एवं अतिथियों ने बाबा लाल हेंब्रम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात विधायक श्री बसंत सोरेन ने ग्राम प्रधान सहित महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं कार्यपालक अभियंता उदय सिंह की उपस्थिति में पूजा कर एवं नारियल फोड़कर विधिवत चहारदीवारी का शिलान्यास किया। इसके पश्चात विधायक बसंत सोरेन शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं से युक्त सभा कक्ष में पहुंचे। वहां छात्राओं ने पारंपरिक स्वागत गान एवं नृत्य से समां बांध दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के पी यादव ने पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र से मुख्य अतिथि बसंत सोरेन एवं ग्राम प्रधान प्रधान बेसरा तथा कार्यपालक अभियंता उदय सिंह का स्वागत किया। विदित हो कि विधायक श्री बसंत सोरेन एवं ग्राम सभा की अनुशंसा पर जिला प्रशासन की निधि से महाविद्यालय के चहारदीवारी के निर्माण के लिए लगभग एक करोड रुपए की लागत से योजना की निविदा हुई है। उक्त प्रकल्पित राशि से जिला प्रशासन के द्वारा विशेष कार्य प्रमंडल की देखरेख में उक्त कार्य किया जाना है। अपने स्वागत वक्तव्य में प्राचार्य डॉ यादव ने उनके योगदान के प्रति आभार जताते हुए महाविद्यालय के कई मूलभूत आवश्यकताओं की ओर विधायक का ध्यान भी आकृष्ट कराया। मसलन महाविद्यालय की पुरानी जर्जर इमारत के छत का गिरना, जीर्ण शीर्ण परीक्षा प्रशाल तथा वर्ग कक्षा का अभाव, लैब लाइब्रेरी की समस्या आदि कमियों की ओर विधायक का ध्यान आकृष्ट कराया गया। इसके संबंध उन्होंने एक मेमोरेंडम भी दिया। मौके पर महाविद्यालय की आवश्यकताओं को देखते हुए विधायक जी ने इसे पूरा करने का भरपूर आश्वासन दिया। अपने ऑडिटोरियम निर्माण, वर्ग कक्ष का निर्माण, 200 छात्राओं एवं 500 छात्रों के लिए एक साथ बैठकर अध्ययन करने हेतु पुस्तकालय उपलब्ध कराने का उन्होंने भरोसा दिलाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ संजीव कुमार, डॉ कुमार पियूष, डॉ वेद प्रकाश सहाय, डॉ पूनम बिंझा, डॉ कलानंद ठाकुर, डॉ इंद्रनील मंडल, प्रो के बी टोप्पो, डॉ सैमुएल किस्कू, डॉ इंद्रजीत कुमार, डॉ होलिका कुमारी मरांडी, डॉ बसंती हांसदा, डॉ सत्यम कुमार, डॉ कुमार सौरभ, प्रो अमन राज, डॉ अनीता चक्रवर्ती, डॉ त्रिजा जेनिफर टोप्पो, डॉ लीना, डॉ अविनाश हांसदा, प्रो निर्मल मुर्मू, डॉ यदुवंश, डॉ कमल, सिद्धोर हांसदा, कार्यालय प्रधान मरियम टुडू, संगीता गांगुली, गोपाल झा, अमियो पंजियारा, कुर्बान अंसारी आदि अनेक महाविद्यालय के कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ यदुवंश यादव ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ सत्यम कुमार के द्वारा किया गया। उक्त जानकारी कॉलेज कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमार सौरभ द्वारा दी गयी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में नीति आयोग का समीक्षात्मक बैठक का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में दुमका में नीति आयोग का समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी विभाग के पदाधिकारी उपस्थित हुए एवं आकांक्षी जिला के द्वारा नीति आयोग के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम के बारे में विस्तृत से बताया गया। इस दौरान नीति के सूचकांक की बारीकी से उपायुक्त द्वारा समीक्षा किया गया। जिसमें उपायुक्त के द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित कर्मियों को दूर करने के लिए सिविल सर्जन महोदय को निर्देशित किया एवं शिक्षा के क्षेत्र में कमी को दूर करने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। कुपोषण उपचार केंद्र को और भी बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया गया। हेल्थ वेलनेस सेंटर को कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के द्वारा स्वास्थ्य लाभ देने के लिए निर्देशित किया गया।

दुमका जिले से चार बच्चों का चयन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। खेलगांव रांची के ताना भगत इंडोर स्टेडियम में 29 वाँ राष्ट्रीय सब जूनियर एवं सीनियर थांग ता चैंपियनशिप आयोजित की गयी। जिसमे झारखंड राज्य के दुमका जिले से चार बच्चों का चयन हुआ था, जिसमे एक स्वर्ण पदक, दो कांस्य पदक जीत हासिल की और अपने राज्य और जिले का नाम रोशन किया ल सीनियर वर्ग में भाग लेने वाले खिलाडी के नाम- सुरेश टुडू (स्वर्ण पदक) मिलन दास (कांस्य पदक), सब जूनियर वर्ग में अंजनी डोडे (कांस्य पदक), और यस्वीर शंकर भारती अपने वर्ग में पांचवा स्थान प्राप्त किया दुमका जिला थांग ता संघ के सचिव उदय शंकर भारती के नेतृत्व में जिला की टीम भाग ली ले भविस्य में और पदक हासिल हो और सेंसई प्रदीप कुमार झा ने बधाई दी और हर्ष व्यक्त किया।

कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी योजनाएं लाभुकों के द्वार तक पहुंच रही

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला अंतर्गत आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी योजनाएं लाभुकों के द्वार तक पहुंच रही हैं। कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों का निष्पादन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। काठीकुंड प्रखंड के झिकरा पंचायत की लाभुक मोनिका हंसदा को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ प्राप्त हुआ। कहा कि इस सहायता को वो अपनी आगे की पढ़ाई के लिए उपयोग करेंगी। साथ ही लोगों को भी प्रेरित करेंगे की शिविर में आय और लाभ प्राप्त करें।

किशोरियों को सरकार की योजनाओं का लाभ सहज रूप से मिल रहा है।योजना का लाभ मिलने के पश्चात मोनिका हंसदा ने सरकार व जिला प्रशासन का धन्यवाद कर अन्य किशोरियों को शिविर का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करने की बात कहीं। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का उद्देश्य बालिकाओं, किशोरियों को शिक्षा से जोड़ना और वयस्क होने पर उसकी शादी के लिए जरूरी सहायता करना है। इस योजना के सहयोग से किशोरियों को स्कूलों से जोड़े रखना है। साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तथा किशोरियों के शिक्षा पर जोर देना है।

जागरूकता हेतु प्रभात फेरी का आयोजन

- **ग्रामीणों को कानूनी पहलुओं से अवगत कराया**

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा आज दुमका प्रखंड के ग्राम- डाकरी में एक प्रभात फेरी निकाला गया, जिसमें महिला, पुरुष, बच्चों ने भाग लिया। उक्त मौके पर पैरा लीगल वालंटियर द्वारा प्राधिकार द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में ग्रामीणों को बताया गया। साथ ही डायन प्रथा, दहेज प्रथा, महिलाओं के संरक्षण पर बने कानून, बाल विवाह, बाल श्रम, मानव तस्करी इत्यादि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया इसके साथ क्षेत्र के लोगों को बताया गया कि जिन लोगों को कानूनी रूप से सहायता चाहिए उन लोगों के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका सहायता के लिए हमेशा तत्पर है।

पी.जी. नामांकन के लिए अब तक 6450 छात्र-छात्राओं ने किया ऑनलाइन आवेदन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में पीजी नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल के माध्यम से अब तक कुल 6450 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन आवेदन किया है. यूजी सेमेस्टर-6 का परिणाम प्रकाशित होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन के लिए 11 नवम्बर से चांसलर पोर्टल खोला गया था और आवेदन के लिए अंतिम तिथि 27 नवम्बर तक निर्धारित किया गया था. 27 नवम्बर तक नामांकन के लिए सबसे अधिक क्रमशः यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट, देवघर कॉलेज, देवघर और साहेबगंज कॉलेज साहेबगंज में छात्र-छात्राओं ने किया है.

- **1 दिसंबर को प्रकाशित किया जायेगा मेरिट लिस्ट**

महाविद्यालय स्तर पर 1 दिसंबर को पहला मेरिट लिस्ट प्रकाशित किया जाएगा. जिन छात्र-छात्राओं का नाम मेरिट लिस्ट में होगा वे 4 से 7 दिसंबर तक सम्बन्धित महाविद्यालय में दस्तावेज़ सत्यापन करा सकते है और 8 से 12 दिसंबर निर्धारित फीस जमा करके नामांकन ले सकते है.

- **अब तक किस कॉलेज में कितना आवेदन हुआ है प्राप्तः**

» यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट–2348
» साहेबगंज कॉलेज, साहेबगंज– 1687
» देवघर कॉलेज, देवघर –1825
» गोड्डा कॉलेज, गोड्डा–474
» ए एस कॉलेज, देवघर– 116

Govt. Regd.
B.ED.
B.P.ED.
D.ED.
D.PHARMA
LLB

A to Z CONSULTANCY
Contact for Fast Track Mode
Session Available: 2020 onWards.
GRADUATION/MASTERS/PH.D all courses
Regular and Distance Mode
Contact: 9955599136, 9234964298 , 7870104955

GNM
B.Sc. NURSING
PARA MEDICAL
B.TECH / DIPLOMA
MBA / BBA

Address: Ring Road, Near R.K. Marble. Dumka, Jharkhand.

मलेरिया की जद में लिट्टीपाड़ा के 23 गांव मुख्यमंत्री के आदेश पर विधायक पहुंचे दौरे पर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। विधायक दिनेश मरांडी ने मंगलवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत मलेरिया प्रभावित गाँव बड़ा कुटलो का दौरा किया. जहाँ उन्होंने पीड़ित परिवार सहित अन्य ग्रामीणों से मिलकर आवशयक जानकारी ली व हर सम्भव सहयोग करने का आश्वस्त किया. विधायक ने ग्राम प्रधान बिरजू हांसदा सहित सभी उपस्थित ग्रामीणों से मिलकर बीते दिनों गाँव मे बीमारी से हुई पांच बच्चो की मृत्यु को लेकर संवेदना व्यक्त किया. वही पीड़ित परिवार के सदस्य गिदोमोय सोरेन ,लखीराम मरांडी ,अनिल मड़ैया , मरांगमय सोरेन व चुनकी हांसदा से मिलकर ढाढस बंधाया. विधायक ने सिविल सर्जन से भी क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली व आवशयक दिशा निर्देश दिया.ग्रामीणों ने विधायक को कहा कि गांव में एक चापानल आवशयक है. इसके साथ ही वृद्धावस्था पेंशन व आवास की समस्या रखी. विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्द ही समस्याओं की निदान को लेकर बीडीओ को निर्देश दिया. विधायक ने कहा कि बीते दिनों गांव में हुई बच्चो की मौत से मर्माहत है. ऐसी घटना किसी परिवार को भोगना न पड़े .सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर आने में विलम्ब हुई पर घटना की सूचना मिलने साथ मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को अवगत कराया गया था. इसको लेकर उपायुक्त सहित स्वास्थ्य विभाग को तत्काल अवगत कराकर शीघ्र सम्बन्धित गांव में चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था. उन्होंने कहा भाजपा इस घटना को लेकर राजनैतिक रोटी सेकना चाह रही है.जो लोगो को दिग्भर्मित कर रही है. बीते चार वर्षो से केंद्र की भाजपा सरकार आवास की स्वीकृति नही दे रही है. जबकि राज्य सरकार निरन्तर मांग कर रही है.इसलिए हेमन्त सोरेन की सरकार से अबुआ आवास योजना धरातल में लाई है.भाजपा आदिवासी की हितैषी बनने का नाटक कर रही है , पर मणिपुर में आदिवासियों की हुई नरसंहार पर मौन साधे हुए है. मौके पर सिविल सर्जन डा. मंटू टेकरीवाल , बीडीओ श्रीमान मरांडी , झामुमो जिला उपाध्यक्ष समद अली , अजीजुल इस्लाम अशोक भगत सहित अन्य उपस्थित थे.

आजसू के सिद्धान्तों से खुश होकर झामुमो व कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने आजसू का सदस्यता लीः जिलाध्यक्ष

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। आजसू पार्टी की बैठक आजसू जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम की अध्यक्षता में पाकुड़ प्रखंड के फरसा पंचायत अंतर्गत पुराना शहबाजपुर में हुई। जिसमें संगठन की मजबूती एवं विस्तार देने के लिए आजसू जिला कमेटी एवं सभी प्रखंडों के कमेटी पुनर्गठित करने के लिए आलाकमान सुदेश महतो से आदेश लेने हेतु भी विचार विमर्श किया गया। साथ-साथ हर्ष की बात है कि आजसू केंद्रीय अध्यक्ष श्री सुदेश महतो के कुशल नेतृत्व पर विश्वास करते हुए उसी बैठक में सैकड़ो झामुमो एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता को आजसू जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम ने पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में योगदान कराया। आजसू जिलाध्यक्ष आलमगीर आलम ने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष के सिद्धांत को देखते हुए पार्टी की सदस्यता ली और आजसू जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम ने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में विभिन्न पार्टियों के बहुत सारे कार्यकर्ता आजसू पार्टी का दामन थामेंगे। उन्होंने कहा हमारे लोकप्रिय नेता केंद्रीय अध्यक्ष श्री सुदेश महतो जी का स्पष्ट निर्देश है कि शहर शहर गांव-गांव आम जनता से संपर्क करें और उनके समस्याओं से रूबरू होकर समाधान के दिशा में प्रयास करें और आजसू पार्टी में योगदान कराये। पार्टी में योगदान करने वालों लुथफुल हक, नैमुल शेख, इस्माईल शेख, नौसद शेख, बसीरुद्दीन शेख,बहादुर शेख, इकबाल शेख, सद्दाम शेख, फैज शेख,मैमुल शेख, अनामुल शेख,जैनुल शेख, मलेक शेख, इसराफिल शेख, महिरुद्दीन शेख, समीम शेख, नसीरुद्दीन शेख, अनारुल शेख, इकबाल होसेन, लालमोहम्मद शेख, असीकुल शेख और अन्य।

संक्षिप्त समाचार

सहायक समाहर्ता सह बीडीओ ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। हिरणपुर(पाकुड़)। सहायक समाहर्ता सह बीडीओ कृष्णकांत कनवाड़िया ने मध्य विद्यालय विपतपुर व उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरमसिया का निरीक्षण किया। सहायक समाहर्ता ने उमवि बरमसिया में जाकर बच्चों से पठनपाठन को लेकर जानकारी लिया। इस दौरान बच्चो से सम्बन्धित विषयो को लेकर पूछे जाने पर सही ढंग से जवाब नहीं दे पाया। जिससे सहायक समाहर्ता ने नाराजगी जाहिर करते हुए प्रधानाध्यापक को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षण कार्य मे सुधार लाये। बच्चो को गुणात्मक शिक्षा दे। वही जांच के दौरान मध्यान्ह भोजन पोष्टिक न पाए जाने पर काफी नाराजगी जाहिर करते हुए तुरन्त सुधार करने का निर्देश दिया। इसके बाद सहायक समाहर्ता ने विपतपुर विद्यालय का भी निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान स्वंयसेवी संस्था फेस के अध्यक्ष रितु पांडे भी उपस्थित थी। फेस अध्यक्ष ने बताया कि हमारा एनजीओ से सिर्फ अंग्रेजी पढ़ाया व सिखाया जाता है। जो नई पद्धति द्वारा पढ़ाया जाता है हम लोग हिरणपुर के 24 विद्यालय को देखरेख कर रही है। विपतपुर विद्यालय पहले रेड व बरमसिया एलो जोन था। अब बरमसिया स्कूल को रेड जोन घोषित कर दो महीना के अंदर इसका पढ़ाई में सुधार लाया जाएगा।

जयसवाल समाज के सदस्यों ने इतिहासकार की मनाई जयंती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़। शहर के शिव शीतला मंदिर के पास जायसवाल समाज के सदस्यों के द्वारा इतिहासकार स्वर्गीय काशी प्रसाद जयसवाल की जयंती मनाई गई. जयंती के तहत सबसे पहले समाज के सचिव राजेश जायसवाल प्रदीप जायसवाल जितेंद्र जायसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इसके बाद बारी-बारी से सभी सदस्यों ने इतिहासकार स्व काशी प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित किया। वही मौके पर उपस्थित सदस्यों को वरिष्ठ सदस्य प्रदीप जायसवाल उनके जीवन की जानकारी देते हुए बताया कि इतिहासकार स्व काशी प्रसाद जायसवाल काफी विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। स्वर्गीय जयसवाल एक महान इतिहासकार ही नहीं थे बल्कि 35 भाषाओं के ज्ञाता अनेक पुस्तकों के रचयिता तथा सफल कानूनविंद भी थे। उनका जन्म 27 नवंबर 1881 को यूपी के मिर्जापुर में हुआ था। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही ऐसा जरिया है जो मानव जीवन को बदल देता है हमें स्व जयसवाल के जीवन से सीखने की जरूरत है। मौके पर समाज के विजय जयसवाल,रवि जायसवाल, अजय जायसवाल, सर्वेश जायसवाल,ओम प्रकाश जायसवाल, संजय जयसवाल, शैलेंद्र जायसवाल समेत दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

ट्रेन के चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। हंसडीहा थाना क्षेत्र के हंसडीहा-दुमका रेलखंड पर नोनीहाट रेलवे स्टेशन से समीप मंगलवार को एक युवक का शव क्षत-विक्षत अवस्था में हंसडीहा थाना की पुलीस ने बरामद किया है। घटना में उसका हाथ कटकर अलग हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई है.मृतक की पहचान संतोष कुमार साह,पिता श्रीकिशुन साह,नोनीहाट के नयाबाजार मोहल्ले के रूप मे की गई है . ग्रामीणों की सूचना पर हंसडीहा थाना के एएसआई बी एन सिंह ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे मे ले लिया.हंसडीहा पुलीस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

जनता दरबार का आयोजन कर उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्या

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई करने का दिया निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरनवाल ने जनता दरबार आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवम शहर से जनता शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित जनता ने अपनी अपनी समस्याओं से उपायुक्त महोदय को अवगत कराते हुए समाधान करने का अनुरोध किया। जनता दरबार में आई समस्याओं का अवलोकन करते हुए उपायुक्त महोदय ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में कैंसर पीड़ित महिला पहुंचकर उपायुक्त से इलाज के लिए सहयोग की अपील की। इस दौरान उपायुक्त महोदय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत महिला अच्छादित करने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया। इसके अलावा अनुकंपा से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, जमीन संबंधित मामलों को लेकर आवेदन प्राप्त हुए। उपायक महोदय ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। जिससे शिकायत के रूप में मिले आवेदन का समाधान जल्द किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि आमजन की सुनवाई में कोई कोताही न बरती जाए और इसे प्राथमिकता से लिया जाए। मौके , कार्यपालक दंडाधिकारी रश्मि कांति सहित अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का कोडरमा आगमन की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ की बैठक

- **कार्यक्रम स्थल पर लाभुकों को कोई दिक्कत न हो सभी पदाधिकारी जवाबदेही के साथ कार्य करें उपायुक्त मेघा भारद्वाज**

कोडरमा। माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का संभावित कोडरमा आगमन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इसकी तैयारी के लिए सभी लोगों को विभिन्न कार्यों का दायित्व दिया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि ब्यवस्था में किसी भी प्रकार का चूक न हो। उन्होंने कहा कि सभी विभागों द्वारा अपने अपने परिसंपत्तियों का वितरण इस दिन माननीय मुख्यमंत्री से कराएं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया कि वे अपने विभाग से संबंधित योजना जैसे मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना ,सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,मुख्यमंत्री पशुधन,सर्वजन पेंशन,हरा राशन कार्ड, बिरसा हरित ग्राम जैसे अन्य योजनाएं से आच्छादित कराएं। मौके पर मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त श्री ऋतुराज, डीआरडीए निदेशक गोरांग महतो, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री विजय कुमार, जिला खनन पदाधिकारी श्री दारोगा राय, जिला कृषि पदाधिकारी ब्रह्मदेव साह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाइक सहित जिले के अनेक वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुखियाओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। पंचायती राज विभाग के निदेश के आलोक में पाकुड़ ज़िला के प्रखंड अमड़ापाड़ा एवं लिट्टीपीड़ा के मुखिया का सबकी योजना सबका विकास अभियान 2023 के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक योजना के निर्माण हेतु ऋढ्ढउ्ढ-एलएसडीजी से संबंधित विषय/थीम के चयन से संबंधित क्षमता विकास हेतु दो दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया । प्रशिक्षण का विधिवत शुभारम्भ प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी, प्रभारी ज़िला परियोजना प्रबंधक,ई०पंचायत आनंद प्रकाश, लिट्टीपाड़ा मुखिया संघ के अध्यक्ष शिव टुडू एवम् ग्राम पंचायत जामुगड़िया के मुखिया सोम हेम्ब्रम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस प्रशिक्षण में मुखिया को पंचायत राज के प्रखंड समन्वयक प्रशिक्षण दे रहे हैं।

- **आठ सत्रों का किया जायेगा आयोजन**

वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक योजना के निर्माण हेतु GPDP-एलएसडीजी से संबंधित विषय/थीम के चयन से संबंधित क्षमता विकास हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण में कुल आठ सत्रों का आयोजन किया जायेगा।प्रत्येक दिन चार सत्रों का आयोजन किया जायेगा।प्रशिक्षण की शुरुआत मुखियाओं के स्वागत एवम् एक दूसरे से परिचय प्राप्त कर किया गया।प्रशिक्षण के शुरुआत से पूर्व उपस्थित सभी मुखिया को प्रशिक्षण का उद्देश्य के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया । चायवकाश के पश्चात मुखिया का 10 छोटे-छोटे ग्रुप बनाते हुए ग्रुपवार चार्ट पेपर पर सभी सुविधाओं से युक्त सपने का ग्राम पंचायत तैयार कर प्रस्तुति दी गई साथ ही सभी मुखियाओं के मध्य सपनों का अच्छा ग्राम पंचायत बनाने में उत्पन्न होनी वाली चुनौतियाँ/मुद्दों एवम् समाधान के बारे में विस्तृत रूप से परिचर्चा की गई।प्रशिक्षण के अगले सत्र में 10 सदस्यों का ग्रुप बनाते हुए ग्राम सभा के माध्यम से चयनित गतिविधि का प्राथमिकीकरण किया गया।अंतिम सत्र में पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्थानीय सतत विकास लक्ष्य के सभी विषयों/थीम पर विस्तृत रूप से प्रस्तुति दी गई। प्रशिक्षण के दूसरे दिन मुखियाओं को स्थानीय सतत विकास लक्ष्य के गतिविधियों की पहचान,स्थानीय सतत विकास लक्ष्य के सभी नौ थीम पर शॉर्ट वीडियो का प्रदर्शन, ग्राम पंचायत सुदृढ़ीकरण योजना, ग्राम पंचायत समन्वय समिति, ज्ञान केंद्र एवं डिजिटल पंचायत के बारे में विस्तृत रूप से बताया जायेगा।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में ऑन स्पॉट निष्पादित हुए मामले

बोकारो। जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे दिन शिविर का आयोजन किया गया। जहां जिला स्तरीय पदाधिकारियों के अलावा संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारियों की अगुवाई में ऑन स्पॉट दर्जनों मामलों का निष्पादन करके सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया। कार्यक्रम का आयोजन आज चास प्रखंड के करहरिया/नरकेरा पुनर्वास पंचायत, चंदनकियारी प्रखंड सिलफोर/अमलाबाद पंचायत, पेटरवार प्रखंड के तेनुघाट पंचायत, जरीडीह प्रखंड के भस्की पंचायत, कसमार प्रखंड के हिसीम, बेरमो प्रखंड के गोविंदपुर सी. पंचायत, नावाडीह प्रखंड के पैंक पंचायत, चंद्रपुरा प्रखंड के पपलो पंचायत, नगर निगम चास के वार्ड संख्या 26 एवं नगर परिषद फुसरों के वार्ड संख्या 02 में किया गया।

पदाधिकारियों ने पंचायत परिसर में लगे सभी स्टॉल का भी निरीक्षण किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच क्रमवार जिला स्तरीय पदाधिकारियों,बीडीओ/सीओ एवं प्रखंड स्तरीय अन्य अधिकारियों ने समस्या सुनी। मौके पर विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। आपकी योजना झ आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में जेएसएलपीएस, अबुआ आवास योजना, मनरेगा, खाद्य आपूर्ति, सेवा की गरांटी, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल एवं स्वच्छता, कृषि, गव्य एवं पशुपालन आदि विभागों से संबंधित हजारों आवेदन प्राप्त किये गए। जिन्हें क्रमवार आहर्ता अनुरूप निष्पादित किए जाएंगे।

डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़/ उपायुक्त- सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार बरनवाल ने मंगलवार को ईवीएम वेयर हाउस के ऊपरी एवं नीचले तल्ले में बने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवशयक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी से लिया। उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया। उल्लेखनीय हो कि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्री मंडल (निर्वाचन) विभाग को समर्पित करना होता है। इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने निरीक्षण करते हुए जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवशयक दिशा- निर्देश दिया तथा प्रतिवेदन मंत्री मंडल (निर्वाचन) विभाग झारखंड रांची को भेजने का निर्देश दिया। मौके पर मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक पार्टी के जिला अध्यक्ष/सदस्य उपस्थित थे।

मरेलिया प्रकोप को लेकर स्वास्थ्य विभाग सजग, लिट्टीपाड़ा के 23 गांव में घर-घर सर्वे करने का काम शुरू किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। जिले में बीमारी के प्रकोप के बाद पाकुड़ के मरेलिया जोन लिट्टीपाड़ा प्रखंड के 23 गांव का सर्वे हो रहा है. स्वास्थ्य विभाग अब घर-घर सर्वे करने का काम शुरू कर दिया है. सर्वे कार्य में चिकित्सक के अलावा मल्टी पर्पस वर्कर, रोजगार, पंचायत सचिव, पंचायत के मुखिया को लगाया गया है. इस टीम में शामिल घर घर पहुंच कर परिवार के सभी सदस्यों का स्वास्थ्य जांच के साथ यह जानकारी लेंगे कि स्वास्थ्य संबंधित क्या समस्या है. इस बीच अगर कोई बीमार व्यक्ति मिले तो उनकी रक्त जांच के साथ दवा दिया जाएगा और गंभीर स्थिति में पाया गया तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक लिट्टीपाड़ा प्रखंड के तिसरो, जालोकुंडी, बड़ा मालीपाड़ा, कुनीबोना, पथरिया, करमाटांड़, बोहरा, कुसभीला, लब्दाघाटी, सिमॉओरि, डुमगो, छोटा पोखरिया, नावाडीह, पकरिया, मालगोड़ा, मकरो, छोटा मारगो, गोकुलपुर, खैराबनी, छोटा जारा, जामकुन्दर, दुमरहीर, साधोतारी गांव को चिन्हित किया गया है. इन गांव में घर घर सर्वे का काम किया जाएगा. इसके साथ ही बड़ा कुटलो गांव के संथाली टोला, बुचु टोला एवं पहाड़िया टोला में विशेष अभियान चलाया जाएगा. इन इलाकों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्वे के बाद फोकल स्प्रे (छिड़काव), फॉगिंग की जाएगी ताकि ग्रामीणों को मलेरिया, ब्रेन मलेरिया, डेंगू, कालाजार जैसी बीमारियों से मुक्ति मिले. पाकुड़ सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल ने बताया कि इस प्रो जोन इलाके में बीच-बीच में सर्वे काम पूर्व से चलते आ रहे हैं. साल में दो बार छिड़काव करते हैं. लेकिन इन इलाकों के लोग जागरूक नहीं रहने के कारण 35 प्रतिशत घरों में छिड़काव कार्य पूरा नहीं हो पाता है. इस कारण मलेरिया जैसी बीमारी पनपने लगती है और लोग इसका शिकार होते हैं. सिविल सर्जन ने बताया कि चिन्हित 23 गांव में फॉगिंग कराने का आदेश जारी किया गया और इस पर जल्द कार्य भी शुरू कर दी जाएगी. सिविल सर्जन ने बताया कि मेडिकेटेड मच्छरदानी उपलब्ध नहीं है. इसको लेकर उपायुक्त से कहा गया है और उपायुक्त ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही मच्छरदानी की व्यवस्था करायी जाएगी. जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित इन 23 गांव में पूर्व में भी मलेरिया, ब्रेन मेलरिया, डेंगू एवं कालाजार के मरीज पाए गए. इसलिए इन इलाकों को चिन्हित कर घर घर सर्वे का काम किया जा रहा है.लिट्टीपाड़ा प्रखंड के चिन्हित यह गांव घने जंगल एवं पहाड़ी इलाका है. अधिकांश इलाकों में आवागमन के लिए सड़क नहीं है और यहां के लोग आज भी झरना, नदी नालों का जमा पानी पीने को विवश हैं. इन्ही कारणों से अधिकांश ग्रामीण मलेरिया, ब्रेन मलेरिया, डेंगू व कालाजार की चपेट में आ जाते है. यहां सबसे बड़ी समस्या लोग आज भी बीमार पड़ने पर ओझागुनी से झाड़ फूंक कराते हैं और झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में पड़ जाते हैं, जिसके चलते बीमारी से कई बार उनको जान भी गंवानी पड़ती है.

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा बाबूलाल को कुत्ता तो नहीं लेकिन गिरगिट ने जरूर छूआ है, तभी तो वे रंग बदलते रहते हैं

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। राजनीति में कोई किसी का ना तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही स्थायी दुश्मन. झारखंड के परिदृश्य में भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी और कांग्रेस नेता प्रदीप यादव इसका सबसे बेहतर उदाहरण माना जा सकता है. दोनों ने भाजपा से राजनीति की शुरुवात की. बाद में दोनों भाजपा से अलग होकर झारखंड विकास मोर्चा नामक राजनीतिक दल बनाया. झाविमो रूपी रथ पर बाबूलाल मरांडी सवार रहे तो सारथी की भूमिका में रहे प्रदीप यादव. यंहा बता दे कि एक दौर वह भी रहा जब दोनों एक दूसरे का बचाव करते थे. दुमका परिसदन में 21 सितंबर 2017 के दृश्य भला कोई कैसे भूल सकता जब केंद्रीय कारा से निकलने के बाद प्रदीप यादव परिसदन में बाबूलाल से मिले थे. दोनों को गले मिलते देख लोगों को लगा कि वनवास से लौटकर राम और भरत का मिलन हो रहा है. लेकिन यह मिलन ज्यादा दिनों तक नहीं चला. वर्ष 2019 के विधान सभा चुनाव के बाद दोनों की राहें जुदा हो गयी. बाबूलाल मरांडी घर वापसी कर कमल का दामन थाम लिया तो प्रदीप यादव ने पंजा से हाथ मिला लिया. समय बदला, परिस्थिति बदली. कभी एक दूसरे के बचाव में बयान देने वाले बाबूलाल मरांडी और प्रदीप यादव एक दूसरे पर व्यंगवाण चलाने से बाज नहीं आते.यंहा बता दे कि

ताजा मामला भी बहुत कुछ ऐसा ही है.दरअसल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और सीएम हेमंत सोरेन कुछ दिन पूर्व संथाल परगना प्रमंडल के दौरे पर थे. दोनों नेता एक दूसरे पर जमकर शब्दबाण चलाये. उस वक्त सीएम हेमंत सोरेन का एक बयान आया कि भाजपा ने मेरे पीछे एक नेता को लगा रखा है. जहां जहां हम जाते हैं वहीं वहीं भाजपा नेता पहुच जाते हैं. मंगलवार को बाबूलाल मरांडी सीएम हेमंत सोरेन के बरहेट विधान सभा के उस गांव में पहुचे थे जहाँ अज्ञात बीमारी से आधा दर्जन बच्चों की मौत हुई थी. वहां से लौटने पर गोड्डा में जब पत्रकारों ने उनसे सीएम के आरोप के बाबत पूछा तो बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हमें कुत्ता थोड़े ही काटा है जो हेमंत सोरेन के पीछे-पीछे जाएंगे. उन्होंने कहा कि उग्रवाद की परवाह किये बगैर हमेशा गांव, पहाड़ और जंगल घूमते रहते है. पिछलग्गू तो हेमंत सोरेन और झामुमो के लोग हैं. बाबूलाल के इस बयान पर कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने पलटवार किया है. दुमका परिसदन में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी को कुत्ता तो नहीं काटा है लेकिन गिरगिट जरूर छू लिया है. तभी तो वे गिरगिट की तरह रंग बदलते रहते हैं. प्रदीप ने कहा कि कभी पानी पी-पी कर भाजपा की बखिया उधेड़ते थे, कहते थे कि अगर भाजपा दूसरी बार केंद्र में सत्ता में आई तो जनता को कटोरा लेकर भीख मांगना पड़ेगा, वही बाबूलाल आज भाजपा और नरेंद्र मोदी की तारीफ करते नहीं थकते. जो भी हो चुनाव जैसे जैसे नजदीक आएगा नेताओं के सुर बदलते रहेंगे

संक्षिप्त समाचार

बोकारो स्टील प्लांट को मिला 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार -2023

बोकारो कार्यालय। बोकारो स्टील प्लांट ने ₹ पर्यावरण उत्कृष्टता ₹ श्रेणी में प्रतिष्ठित 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार -2023 जीतकर अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली है. 28 नवंबर को अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सेमिनार हॉल में सीजीएम (एसएमएस-II &सीसीएस), अरविंद कुमार ने वर्ष 2023 के ग्रीनटेक फाउंडेशन पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार, अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी को सौंपा. 23-24 नवंबर, 2023 को सोनमर्ग, जम्मू और कश्मीर में निर्धारित ₹23वें वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण शिखर सम्मेलन - 2023₹के दौरान बोकारो स्टील प्लांट के प्रतिनिधि के रूप में सीजीएम (एसएमएस-II &सीसीएस), अरविंद कुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त किया था.
उल्लेखनीय है कि 07 नवंबर, 2023 को जूरी सदस्यों के सामने नितेश रंजन, सहायक महा प्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा प्रस्तुति दी गई थी और जूरी के सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान महा प्रबंधक (पर्यावरण), एन पी श्रीवास्तव द्वारा किया गया था. जूरी पर्यावरण संरक्षण के लिए बोकारो स्टील प्लांट की गतिशील पहल और स्टील निर्माण के टिकाऊ तरीकों को अपनाने के प्रयासों से काफी प्रभावित हुई. दायर आवेदन और दी गई प्रस्तुति के आधार पर जूरी सदस्यों ने बोकारो स्टील प्लांट को ₹ पर्यावरण उत्कृष्टता ₹ श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विजेता घोषित किया था.इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने बीएसएल समूह को बधाई दी तथा सभी से सर्कुलर इकोनॉमी, पर्यावरण के सिद्धांतों को सुनिश्चित करने और उत्पादन की सभी गतिविधियों में ऊर्जा संरक्षण की अपील की.

उपायुक्त मेघा भारद्वाज आमजनों के समस्या से हुईं अवगत

कोडरमा । उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में

आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त महोदया के समक्ष रखा। उपायुक्त ने सभी लोगों से एक-एक कर समस्याएं सुनी और एवं सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने के लिए आश्वासन दिये। जनता दरबार में जमीन विवाद, राशन वितरण, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोडरमा में प्रतिनियुक्ति करवाने, छात्रवृत्ति समेत कई मामलों में आवेदन दिया। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के पश्चात उपायुक्त महोदया ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सभी आवेदनों का जांच करते हुए उसका जल्द से जल्द निराकरण करने का निर्देश दिये।

पदाधिकरी प्रमुख व अन्य के हाथो से मिला दो समुह को बारह लाख चेक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पालोजोरी।आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के बसबुटिया पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी अमीर हम्ज़ा, प्रखंड प्रमुख उषा किरण मरांडी, उप प्रमुख, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल रहीम अंसारी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष बलराम मंडल एवं सुधीर कुमार सिंह, श्रीमती रौशनी ऋतु मुर्मू, श्रीमती हेलेना हेंब्रम व अन्य ने विधिवत फीता काटकर दीप प्रज्वलित कर किया गया आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सुभारंभ। साथ ही कहा इस अवसर पर राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं के काउंटर लगाए गए है । इस दौरान अबुआ आवास योजना, और महिला ग्रुप समूह को जेएसएलपीएस के द्वारा चेक वितरण किया साथ ही फूलों झानु ऋण का वितरण महिला को नए रोजगार हेतु ऋण प्रदान भी किए गए। तथा केसीसी के लाभुकों को भी केसीसी ऋण वितरण किया गया। एवं मनरेगा

के तहत विरसा संवर्धन सिंचाई को निर्माण योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। सिविर में बुर्जुग महीला व पुरुष भी अपने पेंशन के लिए लाइन में लगे हुए थे। जनकल्याणकारी योजना एवं समस्याओं से संबंधित कई आवेदन प्राप्त किए गए जिनका त्वरित निष्पादित किया गया एवं किया जाएगा। शिविर में क्रेडिट कार्ड, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई योजना, का लाभ दिया जाएगा। जाति, आय ,जन्म, मृत्यु, और दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। दाखिल खारिज माफी लगान रशिद ऑनलाइन रिकॉर्ड से संबंधित कार्यों से निष्पादन होगा। आयुष्मान कार्ड, सामुदायिक वन पट्टा और वन पट्टा के लिए संबंधित एफआरसी द्वारा आवेदन दिया जाएगा। सामाजिक आर्थिक बुनियादी जरूरत से जुड़े, परियोजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त किया जाएगा। सर्वजन पेंशन, सावित्रीबाई फुले ,बालिका समृद्धि योजना ,किसान क्रेडिट कार्ड योजना, आधार कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, श्रम विभाग अंतर्गत श्रमाधान पोर्टल पर प्रवासी श्रमिकों को पंजीकरण किया जाएगा सरकार द्वारा संचालित अभियान के तहत स्कूली छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा। एसएचजी व क्लस्टर समस्याओं के बीच आई कार्ड तथा धोती साड़ी लूंगी कंबल का वितरण किया गया। इसके अलावा अनेक सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिलेगा। शिविर में कुल 926 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 70 आवेदक का डिसपोज्ड किया गया एवं बाकी 856 आवेदन का प्रोसेस रहा। शिविर में मुख्य रूप से उपस्थित ब्रजेश कुमार, देवाशश भुई, बालमुकुंद मोदी, मुकेश कुमार गांधी, रेखा देवी, अरुण कुमार शाह, फाल्गुनी रूज, मोहित कुमार, बिहारी लाल, सचिंद्र कुमार, सोना कुमार, रजत पोद्दार सुनील कुमार राम, अभावला दासी, प्रशुराम कुमार, जिमल अंसारी, देवाय पुर्ती, दीपक दास, सिवाकांत प्रसाद, रविकांत मिश्र, परिमल देव, अरविंद कुमार प्रदीप दास, ग्राम सेवक, रोजगार सेवक, मुखिया, पंचायत सचिव व अन्य मौजुद थे ।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत हिसीम पंचायत सचिवालय में लगा शिविर

कसमार। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत हिसीम पंचायत सचिवालय में लगा शिविर में सबसे अधिक आवेदन देने के लिए भीड़ अबुआ आवास योजना के लिए देखा गया गोमिया के विधायक डॉक्टर लम्बोदर महतो शिविर में पहुँच कर सभी स्टाल का निरिक्षण किया साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देते हुए जो शिविर में नहीं आते हों अधिकारी कर्मचारी पर कार्रवाई के लिये लिखा जाएगा जेसीपीएल के तहत एक का लाख चेक वितरण विधायक डॉक्टर लम्बोदर महतो ने किया जिला परिषद उपाध्यक्ष बबिता कुमारी प्रमुख नियोतीकूमारी जॉब कार्ड पेंशन कि स्वीकृति का वितरण किया शिविर में सबसे अधिकस्वास्थ्य विभाग को सक्रिय देखा चिकित्सा प्रभारी शिविर मैं मरीजों का जांच कर उचित दवा उपलब्ध कराया गया

मुक पीढ़ी को दावत देता डिजिटलाइजेशन का दुष्प्रभावः डॉ विनोद कुमार शर्मा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि/दुमका।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में ₹ इम्पैक्ट ऑफ डिजिटलायजेशन ऑन स्टूडेंट्स ₹ विषय पर विभागीय सेमिनार आयोजित किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थियों का डिजिटलायजेशन पर निर्भरता जहाँ अकादमिक सीमा अर्थात ज्ञान, विज्ञान, आदि तक तक रहना चाहिए वहाँ वो इसपर अत्यधिक निर्भरता के कारण दुष्प्रभाव का शिकार हो रहे हैं । विद्यार्थी ऑनलाइन क्लास के बहाने फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सप, ट्विटर आदि से जुड़कर न केवल सोशल व संज्ञानात्मक इंटरएक्शन से दूर होकर मनोविकारी लक्षणों को घर कर रहे है , सांवेगिक कुंठा का शिकार हो रहे है , एक मूक पीढ़ी को दावत दे रहे हैं बल्कि शॉर्ट कट जीवन शैली को अपना कर अप्रत्याशित आचरणों व अपराध को भी जन्म दे रहे हैं। मोबाइल पर अत्यधिक निर्भरता से बच्चे जहाँ अकादमिक ज्ञान, आचरण, अनुशासन, आदि से विपथ हो रहे है तो वही वो सेक्स व नशा जैसी घृणित व्यवहारों में लिप्त भी पाए जाते हैं । पाशविक इड की चाह में बच्चे किसी भी हद से गुजरने को आतुर दिखते हैं जहाँ अभिभावकों की अनदेखी उसे साइबर क्राइम, डीपफेक , ट्रॉलिंग, बुलिंग, आदि जैसे विचलित व्यवहारों को करने को अभिप्रेरित भी करता हैं । सामाजिक वातावरण विद्यार्थियों में एक ओर जहाँ प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करता हैं और जिसकी विफलता में हीनता का भाव उत्पन्न करता हैं वही वो उसकी क्षतिपूर्ति में आवेग में आकर विभत्स घटनाओं को अंजाम देता हैं। यही कारण हैं कि आज किशोर से लेकर युवाओं तक में विचलनशीलता की बाढ़ - सी दिखती हैं । इन विचलित व्यवहारों के कारण समाज में भय, तनाव व असुरक्षा का वातावरण निर्मित होता हैं । विद्यार्थियों ने भी अपनी बातें रखी। उन्होंने ऑफ लाइन शिक्षा को बेहतर स्वीकारा । साथ ही रही व्यवहारिक विचलनशीलता के प्रति भी सहमति जाहिर किया । कार्यक्रम का संचालन अनूप लाल हेम्ब्राम ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन निरोज गोराई ने किया ।

इलेक्ट्रो स्टील वेदांता कंपनी के सुरक्षा गार्ड एवं रैयतो के बीच जमकर बवाल, हुई लाठी चार्ज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो । इलेक्ट्रो स्टील वेदांता कंपनी की नीति के खिलाफ जेवीकेएसएस के बैनर तले अनिश्चितकालीन चक्का जाम कार्यक्रम में वेदांता के सूरक्षा कर्मियों व ग्रामीणों के बीच जमकर बवाल हुई ,इस बवाल में वेदांता कंपनी के सुरक्षा गार्ड के द्वारा रैयतों के बीच लाठी चार्ज भी करनी पड़ी ।
चंदनकियारी स्थित सियालजोरी इलेक्ट्रोस्टील वेदांता कंपनी की नीति के खिलाफ झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति के बेनर तले 13 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन चक्का जाम कर दिया गया था , इलेक्ट्रोस्टील वेदांता के खिलाफ ग्रामीण पुरुष महिलाओं एवं बच्चों सभी ने वेदांता के सभी गेट को जाम कर दिया था ,बीते दिन करीब एक बजे के आसपास ईएसएल वेदांता कंपनी के आरएमएचएस गेट के समीप जेवीकेएसएस के समर्थको, और सूरक्षा कर्मी के बीच जमकर मारपीट हुई। जहां दोनों पक्ष में दर्जनों महिलाओं पुरुषों व वेदांता के सूरक्षा कर्मियों के दो दर्जनों से अधिक लोग जख्मी हुए। वहीं चंदनकियारी सीओ के गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त किया गया ,ग्रामीणों के द्वारा जमकर पत्थर बाजी किया गया , वेदांता के सूरक्षा कर्मी प्लांट के अंदर चले गए। इधर जेवीकेएसएस के समर्थको व ग्रामीणों ने बताया कि जबतक हमारे मांगे पूरी नहीं होगी तब तक अनिश्चितकालीन चक्का जाम नहीं हटाई जाएंगी। घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया ,हालांकि समाचार लिखे जाने तक पार्टी सुप्रीमो सह आन्दोलन कारी जयराम महतो नहीं पहुचे थें। इलेक्ट्रो स्टील कंपनी वेदांता के द्वारा प्रेस रिलीज जारी कर बताया गया की ई एस एल स्टील लिमिटेड के फाटक पर अभी चल रहे आंदोलन को देखते हुए हम आपके साथ एक उद्धरण साझा करना चाहते हैं। यह उद्धरण वेदांता ग्रुप की कंपनी, ई एस एल स्टील लिमिटेड के वक्तव्य का है।
हम रिकॉर्ड के लिए कहना चाहते हैं कि ई एस एल स्टील लिमिटेड, जो वेदांता ग्रुप की कंपनी है, ×कानून का पालन करने वाली और नैतिक रूप से अनुपालक संगठन है। ई एस एल स्टील हमेशा से अपनी उपस्थिति वाले क्षेत्रों में समाज और समुदाय के लाभ और कल्याण के लिए निरंतर काम करती रही है और करती रहेगी।
रिकॉर्ड के लिए बताना ज़रूरी है कि 13 जून, 2023 को ईएसएल, जे बी के एस एस और थाना प्रभारी, सियालजोरी/ बंगदिया के बीच त्रिपक्षीय चर्चा के सभी 13 बिन्दुओं में से 90% का सौहार्दपूर्ण समाधान हो गया है।यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि इस्पात कारखाने के निर्माण के लिए जिन लोगों ने अपनी-अपनी जमीन दी थी, उनमें से हर एक को पर्याप्त और न्यायोचित रूप से क्षतिपूर्ति कर दी गई है। कंपनी ने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय लगाया कि कारखाने की स्थापना के लिए अपनी जमीन दान करने वाला एक अकेला व्यक्ति भी छूट नहीं जाए। यदि कोई मामला बचा रह गया होगा, तो समझौते के अनुसार उसका निपटारा कर दिया जाएगा।
एक संगठन के रूप में, ई एस एल अपने परिचालन क्षेत्र के आस-पास के सभी समुदायों की भलाई के प्रति वचनबद्ध हैं और हमारा मानना है कि बातचीत के द्वारा सभी समस्याओं का सौहार्दपूर्ण समाधान किया जा सकता है।'' हालाँकि ईएसएल, वेदांता कहती रही है कि समस्याओं को बातचीत के जरिए हल किया जाए, लेकिन स्थानीय लोगों ने ×कानून को अपने हाथों में ले लिया है।

काठीकुंड प्रखंड के झिकरा पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

- **अबुआ आवास योजना सहित सरकार के अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु बड़ी संख्या में लाभुकों ने किया आवेदन**
- **उपायुक्त द्वारा सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के परिसंपत्तियों का किया गया वितरण**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन काठीकुंड प्रखंड के झिकरा पंचायत में आयोजित किया गया।शिविर में आमजनों के समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे।सभी स्टॉल पर प्रतिनियुक्त संबंधित विभाग के कर्मी आमजनों से कल्यणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु आवेदन प्राप्त कर रहे थे।कार्यक्रम में पहुँचकर उपायुक्त द्वारा सभी स्टॉल का निरीक्षण किया गया एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों को कई आवश्यक निदेश दिया गया।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आये सभी लोगों को अपने अपने विभाग के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें एवं लाभ लेने हेतु प्रेरित करें।कहा कि आपका प्रयास हो कि झिकरा पंचायत में एक भी योग्य लाभुक कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे।सभी अपने-अपने विभाग के कल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को जोड़ने का कार्य करें।लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि सरकार आपके द्वार पर आई है।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ही आपको सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा आपकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त कर नियमानुसार ढंग से जल्द से

जल्द दूर करना है।आप सभी एक जागरूक नागरिक परिचय देकर सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें एवं योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन करें।कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्टॉल बनाये गए हैं।स्टॉल पर पहुँचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें,आवेदन करें तथा योजना का लाभ लें।आवेदन करने के बाद पावती रशीद निश्चित रूप से प्राप्त कर लें।उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज अवश्य जमा करें ताकि जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में कठिनाई नहीं हो।कहा कि अपने आस पास के लोगों को भी इस कार्यक्रम के बारे में बताएं ताकि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं को दूर किया जा सके।कार्यक्रम में सांकेतिक रूप से उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे द्वारा 4 लाभुकों को जॉब कार्ड,4 लाभुकों को बिरसा सिंचाई कूप का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।साथ ही 7 लाभुकों को साईकल की राशि प्रदान किया गया।5 लाभुकों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।इससे पूर्व पारंपरिक रीति रिवाज लोटा पानी से उपायुक्त का स्वागत किया गया।उपायुक्त ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

बीते रात बनकटी रास मेले में विधायक ने पहुंच कर लगाया चार चांद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पालोजोरी। प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत बनकटी गांव में हो रहे पूर्वजों से रास मेले के उपलक्ष में भजन व रंगारंग कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री व सारठ विधायक रणधीर कुमार सिंह के पहुंचते ही हजारों के संख्या में उपस्थित समर्थकों ने जिंदाबाद के नारे लगाते हुए नजर आए। जैसे ही विधायक रणधीर सिंह रास मिले में पहुंचे सबसे पहले मंदिर में जाकर क्षेत्र वासियों के सुख समृद्धि के लिए हाथ जोड़कर कामना किया। साथ ही स्टेज पर पहुंचकर सभी अभिभावकों से हाथ मिलाते हुए तथा हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन करते हुए नजर आए। विधायक को उपस्थित जनता व कमिटी के युवकों ने फूलों का माला पहनाकर व गले मिलते हुए विधायक को स्वागत किए। विधायक रणधीर कुमार सिंह ने कहा कहा विधानसभा क्षेत्र के जनता सदा हमारे साथ है और यहां के जनता इस कदर हमें चाहने लगे हैं कि नहीं

लगता है कि कोई विधायक और जनता के बीच में कोई बातचीत होती हो ऐसा लगता है जैसे भाई-भाई में चर्चा हो रहे हैं । और में सभी जनता से यही उम्मीद रखता हूं कि इसी तरह हमें लार दुलार देते रहे ताकि मैं 24 घंटे जनता का सेवा कर सकूं साथ ही विधायक ने कहा जनता के सुख-दुख के लिए में 24 घंटे जनता के सेवा में हाजिर हूं और हमेशा हाजिर रहूंगा । साथ ही क्षेत्र के विकास के बारे में अनेक जानकारियां जनता को दिए कहा क्षेत्र में सड़क पुलिया सेड मंदिर व अन्य योजनाओं का बड़े ही तेजी से काम चल रहा है और आने वाले समय में क्षेत्र में और भी विकास होंगे, जनता का दुःख मेरा दुःख जनता के साथ हमेशा खड़ा हुं जनता का परिवार मेरा अपना परिवार है। अगर परिवार में मुसीबत आती है तो वह मुसीबत मेरा है क्योंकी में भी उस परिवार का ही सदस्य हुं और वह अधिकार जनता ने हमें दीए है उसे कभी नहीं खोएंगे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

पहले बाबूलाल मरांडी विस्थापित थे, अब बेरोजगार भी हैं: सुप्रियो

रांची, । झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले तो बाबूलाल विस्थापित थे लेकिन अब वे बेरोजगार भी हैं। जिस तरह से वे राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सीनियर लीडर शिबू सोरेन के लिए भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वह राजनीतिक समाज में प्रदूषण है। ऐसे लोग जब तक रहेंगे, प्रदूषण मुक्त होना कठिन है। उनका स्तर ऐसा हो गया है कि वे शव पर भी राजनीति करने लगे हैं। भट्टाचार्य मंगलवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इन्होंने झारखंड स्थापना की नींव में चूना डालने का काम किया था। जब बाबूलाल मुख्यमंत्री थे तो तपकारा गोलीकांड हुआ था, वे पीड़ितों के परिजनों से मिलने गये थे क्या। नेतरहाट में गोलियां चलीं, लोग शहीद हुए लेकिन वे नहीं गये। पिछले दिनों पनौती को लेकर

देशभर में चर्चा थी। इसी तरह झारखंड में अब चुनौटी की बात होती है। हर अच्छे कामों में वे चूना लगाने की कोशिश करते हैं। यह चुनौटी बाबूलाल हैं।
उन्होंने कहा कि कोरोना की तरह मलेरिया भी एक बड़ी आपदा है। इससे बचाव की विशेष व्यवस्था करनी होती है। सुंदरपहाड़ी के जिस बीहड़ एरिया में मलेरिया फैला, वहां आदिम जनजाति, माल पहाड़िया समाज के लोग रहते हैं। वे ऐसी ही जगहों पर वास भी करते हैं। ऐसे में उन्हें विस्थापित नहीं किया जा सकता। मलेरिया फैलने की खबर मिलते ही हमारे पार्टी के स्थानीय सांसद विजय हांसदा वहां पहुंचे।
उन्होंने कहा कि मेडिकल कैंप की व्यवस्था हुई। हालांकि, कुछ बच्चों की मौत भी हुई। भाजपा वाले वहां लाश पर राजनीति करने पहुंच गये। सबसे पहले गोड्डा सांसद पहुंच गये और मेडिकल कैंप में कहा कि इलाज की कोई सुविधा नहीं है। बाबूलाल मरांडी भी मोटरसाइकिल से वहां पहुंच गये जबकि एंबुलेंस वहां पहुंच गया था। प्रभावित परिवारों तक मुआवजा भी सरकार के स्तर से पहुंच गया। बाबूलाल ने अनर्गल आरोप लगाए कि मुख्यमंत्री क्यों नहीं पहुंचे।

चीन में फैली रहस्यमय बीमारी के मद्देनजर रांची के अस्पतालों में तैयारियां तेज

रांची। चीन में फैल रही रहस्यमय बीमारी को देखते हुए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सभी राज्यों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इस बीमारी के भी कोरोना की तरह फैलने की आशंका है। इन सभी संभावनाओं को देखते हुए रांची में स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुट गया है। रांची जिले के ब्लॉक स्तर के अस्पतालों को भी दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि यदि मरीज सामान्य स्थिति में रहे तो उसे सीएचसी और पीएचसी में ही सुविधा दी जा सके।
रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने मंगलवार को बताया कि हायर सेंटर के रूप में रिम्स और सदर अस्पताल को रखा जाएगा। यदि मरीजों की संख्या बढ़ेगी तो अन्य जगहों पर भी इंतजाम किए जाएंगे। सिविल सर्जन ने बताया कि कोरोना के दौरान लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट और लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट का भी उपयोग किया जाएगा। पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन सिलेंडर भी रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक भारत में ऐसा कोई केस नहीं

मिला है। हालांकि, निमोनिया को लेकर लोगों को सचेत रहने की आवश्यकता है।
रिम्स के वरिष्ठ चिकित्सक और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ यूपी साहू ने बताया कि निमोनिया में छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।
उन्होंने बताया कि निमोनिया सबसे ज्यादा एक से पांच साल तक के बच्चों के लिए खतरनाक होता है। क्योंकि, वैसे बच्चे अपनी परेशानी को खुलकर बता नहीं पाते। ऐसे में अभिभावकों को यह ध्यान रखना होगा कि यदि छोटे बच्चे में सर्दी-खांसी के साथ बुखार आता है और उसने मां का दूध पीना छोड़ दिया तो उसे तुरंत नजदीकी डॉक्टर के पास ले जाएं।
यूपी साहू ने बताया कि छोटे बच्चे को यदि सांस लेने में परेशानी हो, शरीर नीला दिखाई दे रहा हो या उसे तेज बुखार आ रहा हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें क्योंकि निमोनिया ज्यादा दिनों तक रहना खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि विभाग स्तर पर अभी तक किसी तरह का दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया है। अस्पताल में भी अभी इस तरह के केस नहीं पहुंचे हैं लेकिन डॉक्टरों की टीम निमोनिया के केस को लेकर गंभीर है।

उत्तरकाशी टनल से बाहर निकले खूंटी के मजदूर, तीन गांवों में उत्सव का माहौल

खूंटी (झारखंड), । राज्य के खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के तीन गांवों डुमारी, गुमडू और मधुगामा के लिए आज का दिन कुछ खास ही रहा। गांव के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था। आखिर 17 तीनों तक उत्तराखंड के उत्तर काशी सुरंग (टनल) में फंसे इन गांवों के तीन युवक मंगलवार को बाहर निकल आये। जैसे ही यह खबर गांव वालों को मिली कि डुमारी गांव में हर्ष का माहौल कायम हो गया।
इन गांवों के लोगों ने सरना पद्धति से पूजा-अर्चना कर ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। टनल में फंसे 35 वर्षीय युवक चमरा उरांव की पत्नी रेखा देवी, माता बंधनी उराइन और पिता भक्तु उरांव की आंखें खुशी से भर आयीं। वे अपनी बातों से अपनी खुशी को व्यक्त कर नहीं पा रहे थे। रेखा देवी ने कहा कि ईश्वर ने उनकी प्रार्थना सुन ली। चमरा के माता-पिता ने कहा कि उन्हं ईश्वर पर पूरा भरोसा था और ईश्वर ने लड़के को नयी जिंदगी दे दी।

टनल में फंसे कर्रा प्रखंड के गुमडु गांव के विजय होरो की पत्नी सनारती होरो ने रोते हुए कहा कि आज भगवान ने उन्हें जीवन की सबसे बड़ी खुशी दे दी है। इसके लिए पूरा परिवार ही नहीं पूरा गांव ही उत्तराखंड सरकार, वहां के स्थानीय प्रशासन सेन और केंद्र सरकार आभारी हैं कि आज उनके प्रयास से 41 लोगों का परिवार उजड़ने से बच गया। मुश्किल की इस घड़ी में मदद के लिए चमरा उरांव और विजय होरो के परिवार ने तोरपा के विधायक कोचे मुंडा और जिला प्रशासन के अलावा अन्य सभी सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।टनल से बाहर निकले चमरा उरांव, विजय होरो और गणपति होरो के परिवार वालों ने टनल में फंसे 41 मजदूरों में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सेना के जवानों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। डुमारी गांव के भक्तु उरांव ने कहा कि उनके बेटे ने अपनी बहन की शादी का कर्ज उतारने के लिए अपनी जिंदगी को दांव पर लगा दिया था। कर्रा प्रखंड के मधुगामा गांव के गणपति मुंडा के घर में भी मंगलवार को उत्सव का माहौल रहा। गांव का हर व्यक्ति उनके घर लाकर अपनी खुशी का इजहार कर रहा था।

शोधार्थियों में उच्च शोध नैतिकता विकसित करना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य : डॉ. बटेश्वर

रांची। झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में मंगलवार को वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग एवं आइसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। आठ दिसम्बर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों आइआइटी, आइआइएम, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के विषय विशेषज्ञ व्याख्यान द्वारा योगदान देंगे।
कार्यशाला का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति एवं शोध के सन्दर्भ में अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि शोध किसी भी उच्च संस्थान का रीढ़ होता है। इसीलिए नई शिक्षा नीति में उच्च संस्थानों में शोध पर अधिक जोर दिया गया है।
विभागाध्यक्ष डॉ. बटेश्वर सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने स्वागत वक्तव्य में शोध की नवीनता एवं मौलिकता की बात करते हुए कहा कि शोधार्थियों में उच्च शोध नैतिकता विकसित करना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास), प्रो. एके पाढ़ी, डॉ. शशि सिंह, प्रो. विमल किशोर, डॉ. अजय प्रताप यादव एवं शोधार्थी नेहा, मेघा, देवव्रत आदि भी उपस्थित थेशोध कार्यशाला निदेशक डॉ. केबी सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि देश के विभिन्न प्रतिष्ठित उच्च संस्थानों से 226 लोगों ने कार्यशाला में सहभागिता के लिए आवेदन किया, जिसमें से 35 लोगों का चयन किया गया है। चयनित प्रतिभागी जेएनयू, डीयू, बीएचयू, आईआईटी और सीयूजे से हैं। इसमें आइआइटी, एनआइटी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी भी भाग ले रहे हैं।

राज्य सरकार की अकर्मण्यता पर भाजपा चुप नहीं बैठेगी : प्रदीप वर्मा

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा ने मंगलवार को झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार किया। वर्मा ने कहा कि झामुमो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की झारखंड की जनता से बढ़ते जुड़ाव, उनकी बढ़ती लोकप्रियता,संकल्प यात्रा की ऐतिहासिक सफलता से हताश निराश और घबराया हुआ है।
उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने क्षेत्र के लिए एक जनप्रतिनिधि हैं, जहां की जनता ने उन्हें जनादेश देकर मुख्यमंत्री के काबिल बनाया और इस क्षेत्र में लोग उनकी सरकार की अकर्मण्यता से मरते रहेंगे, लाशें निकलती रहेंगी तो भाजपा चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि का धर्म निभाया। जनता के बीच जाकर उनका दुःख दर्द बांटना एक राजनेता का धर्म है लेकिन झामुमो को यह लाश की राजनीति दिखाई पड़ता है।वर्मा ने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासी की बात करते हैं लेकिन उनके क्षेत्र में आदिवासी समाज के लोग मलेरिया से मरते रहे और वे देखने तक नहीं गए, जहां तक बाबूलाल मरांडी का सवाल है तो वे उनके पीछे नहीं गए बल्कि वहां गए जहां मुख्यमंत्री अबतक नहीं गए। उन्होंने कहा कि झामुमो बाबूलाल मरांडी को चुनौती नहीं दे तो ही अच्छा। बाबूलाल ने दुमका में मुख्यमंत्री की माता और पिता दोनों को बारी-बारी से हराया है।

प्रतिभा विकास केन्द्र के आचार्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

रांची, । वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन की ओर से चलने वाला प्रतिभा विकास केन्द्र के आचार्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग रांची स्थित विश्व हिंदू परिषद प्रांत कार्यालय में सोमवार को संपन्न हुआ।
प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को संबोधित करते हुए बनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के केंद्रीय सह प्रमुख वीरेंद्र कौडिनिआ ने कहा कि कार्यकताओं में मन पर नियंत्रण और मजबूत ध्येय हो तो विपरीत परिस्थिति में भी हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आचरण की महत्ता को प्रमुखता के साथ प्रदान करने वाले ही आचार्य कहे जाते हैं।
इस अवसर पर फाउंडेशन के केंद्रीय सह प्रमुख धनंजय कुमार ने कहा कि प्रतिभा विकास केंद्र का लक्ष्य शिक्षा, संस्कार व स्वावलंबन से है। प्रत्येक केंद्र में चौथी, पांचवीं एवं छठी कक्षा स्तर के 20 से 30 बच्चों को उनके सर्वांगीण विकास के निमित्त अध्ययन की व्यवस्था की जाएगी। समापन सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु ने कहा कि शिक्षा जीवन का अनमोल रत्न है। धनवान अथवा राजा अपने सीमित क्षेत्र में ही जाने जाते हैं लेकिन शिक्षित और विद्वान व्यक्ति सर्वत्र जाने जाते हैं।

मजदूरों- किसानों का तीन दिवसीय महापड़ाव कार्यक्रम संपन्न

रांची। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय नेता अवधेश कुमार ने कहा कि आगे और बड़े संघर्ष के संकल्प के साथ मजदूरों एवं किसानों का तीन दिवसीय महापड़ाव मंगलवार को संपन्न हो गया।
उन्होंने कहा कि देश के आम जनता के जीवन और आजीविका के साथ-साथ जनता के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, सद्भावपूर्ण जीवन पर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ किसान-मजदूर के संयुक्त बैनर तले 26 से 28 नवम्बर तक राजभवन के समक्ष तीन दिवसीय महापड़ाव कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
कुमार ने कहा कि मजदूर विरोधी

लेबर संहिताओं को समाप्त करने, किसानों के लिए वैधानिक एमएसपी सुनिश्चित करने , विनिवेश और एनएमपी के प्रयासों को समाप्त करने, बिजली संशोधन विधेयक और नई शिक्षा नीति वापस करने, अनौपचारिक क्षेत्र के कामगार , ठेकेदार कामगार और स्कीम वर्करों के लिए कानूनी तथा सामाजिक सुरक्षा , समान काम के लिए समान वेतन, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी तथा मनरेगा की मजबूतीकरण सुनिश्चित करने, पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने, पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कम करने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रचार चलाया गया
किसान सभा के महासचिव सुरजीत सिन्हा ने कहा कि राजभवन रांची के समक्ष आयोजित महापड़ाव कार्यक्रम में किसानों के अलावा , कोयला, इस्पात, तांबा, बॉक्साइट माईका, इंजीनियरिंग, अभ्रक, विद्युत, परिवहन, निर्माण, सेल्स प्रमोशन, बीड़ी उद्योग, सहित बड़ी संख्या में परियोजना कर्मी, गिग वर्कर , ठेका एवं आउटसोर्सिंग मजदूर शामिल हुए।

पंचायतों में खेल मैदान किए जा रहे विकसित, खिलाड़ियों को मिल रहा खेल सामग्री : मुख्यमंत्री

संवाददाता।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से 8 वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर नेटबॉल प्रतियोगिता के बालक एवं बालिका वर्ग में विजेता रही गोड्डा जिले के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि गुमला के घाघरा में आयोजित नेटबॉल की ट्रेडिशनल एवं फास्ट फाइव सब जूनियर चैंपियनशिप के बालक एवं बालिका दोनों ही वर्गों में गोड्डा टीम ने खिताब जीता है। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन

करने के लिए शुभकामनाएं दी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सिलसिले में पंचायतों में खेल मैदान विकसित किया जा रहे हैं । सिदो- कान्हू क्लब के माध्यम से खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट्स के साथ अन्य सुविधाएं दी जा रही है। यहां के नौजवान खेलों के माध्यम से अपना भविष्य संवारने के साथ अपने प्रदर्शन से देश और राज्य का नाम रोशन करें, इसके लिए सरकार सभी सहयोग करेगी।इस मौके पर गोड्डा जिला नेटबॉल टीम की कोच मोनालिसा कुमारी, सचिव गुंजन कुमार झा, अंपायर शिवराम कृष्ण देहरी, दुमका जिला नेटबॉल एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद हकीम और कुलदीप कुमार रवि मौजूद थे।

सार-संक्षेप

रांची के दो वार्डों में 73 शिकायतों का ऑन स्पॉट निपटारा

रांची। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रांची नगर निगम की ओर से निगम के दो वार्ड में मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया। वार्ड नंबर पांच और वार्ड नंबर छह में शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविरों में कुल 73 शिकायतों का ऑन स्पॉट निपटारा किया गया।
अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने मंगलवार को बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि अपने नजदीकी वार्ड में आयोजित शिविर में आएं और योजनाओं का लाभ लें।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी पहुंचे रांची

रांची। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह और बिहार सरकार के मंत्री सह झारखंड जदयू प्रभारी डॉ अशोक चौधरी सेवा विमान से मंगलवार को पटना से रांची पहुंचे। जदयू नेता दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे हैं। उनकी 29 नवम्बर को प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो सहित प्रदेश जदयू के वरीय नेताओं के साथ बैठक है।
एयरपोर्ट पर जदयू नेता डॉ आफताब जमिल, श्रवण कुमार, भगवान सिंह, सागर कुमार, डॉ विनय भरत, निर्मल सिंह, अख्तर हुसैन, वैद्यनाथ पासवान, रामजी प्रसाद, बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।
प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि बैठक में पार्टी की ओर से किए गए कार्यक्रम, सदस्यता अभियान के माध्यम से पंचायत एवं बूथ स्तर तक निर्मित संगठन की जानकारी अध्यक्ष एवं प्रभारी को दी जाएगी। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा होगी।

सांसद संजय सेठ ने चुनचुरिया में सड़क और पुल निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

रांची/पूर्वी सिंहभूम। रांची के सांसद संजय सेठ की पहल पर आजादी के बाद पहली बार ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र छोटा चुनचुरिया में सड़क और पुल का निर्माण होगा। आठ करोड़ एक लाख की लागत से सड़क और पुल निर्माण को स्वीकृति मिली है। सांसद ने मंगलवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में इस योजना का शिलान्यास किया।
इस अवसर पर संसद ने कुल 29 करोड़ की लागत से अन्य योजनाओं का भी शिलान्यास किया। इसमें प्रमुख रूप से रुगड़ी से पाड़ाडीह तक सड़क और पुल निर्माण (कुल लंबाई 9.15 किमी, कुल लागत 9 करोड़ 33 लाख), टीकर से तिरुलडीह तक सड़क निर्माण (कुल लंबाई 6.20 किमी, कुल लागत 4 करोड़ 83 लाख), टीकर से पातकुम तक सड़क निर्माण (कुल लंबाई 8.87 किमी, कुल लागत 7 करोड़ 3 लाख) शामिल हैं।
सांसद ने कहा कि 75 वर्षों का कार्यकाल और सरकार गांव तक नहीं पहुंच सकी, यह इस देश का दुर्भाग्य है।उन्होंने कहा कि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों और बड़े पुलों का निर्माण, यह बताने के लिए काफी है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न सिर्फ शहरी विकास, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के समुचित विकास के लिए भी गंभीर हैं।

सेल डीड कैंसिल किए जाने के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हाई कोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में ऑनलाइन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक और सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी अनामिका गौतम की ओर से देवघर स्थित जमीन सहित राज्य के अन्य जिलों के डीसी द्वारा कई लोगों के सेल डीड कैंसिल किए जाने को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई मंगलवार को हुई। जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।
दायर याचिका में सांसद की पत्नी अनामिका गौतम का आरोप है कि देवघर डीसी ने श्यामगंज मौजा, देवघर की उनकी जमीन का सेल डीड कैंसिल कर दिया है। उनका कहना था कि जमीन के रजिस्टर्ड सेल डीड को कैंसिल करने का अधिकार डीसी, देवघर के पास नहीं है। यह अधिकार सिविल कोर्ट के पास है। अनामिका गौतम की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव एवं पार्थ जालान ने पैरवी की।

हाई कोर्ट में तालाब की जमीन पर अस्पताल बनाए जाने के मामले की सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट देवघर के मधुपुर अनुमंडल में गैर मजुरूवा जमीन पर बने तालाब पर अस्पताल बनाए जाने के टेंडर को चुनौती देने वाली अरुण शाही की रिट याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस रिट याचिका को जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में मानते हुए सुनवाई करने का निर्देश दिया है।
कोर्ट में याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट के पीआईएल रूल के तहत शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।कोर्ट ने मामले की सुनवाई एक दिसंबर निर्धारित की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि देवघर के गोविंदपुर मौजा में मधुपुर अनुमंडल स्थित बांध/तालाब पर अस्पताल बन रहा है। इसका शिलान्यास 18 सितंबर को हुआ था।

अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी में भारी मात्रा में शराब बरामद

रांची। उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। उत्पात विभाग से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने सोमवार देर रात कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सुकुरहुटू के पास एसटीएफ के सहयोग से छापेमारी की।इस दौरान एक टाटा 407 पिकअप वाहन (जेएच 01- बीआर 5148) की तलाशी के क्रम में अवैध विदेशी शराब ओल्ड मोंक और ब्लैक टाइगर व्हिस्की का 3000 बोतल कुल 2250 लीटर जब्त किया गया। घटनास्थल से अभियुक्त वाहन से कूद कर भाग निकले, जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

चैनपुर पंचायत के समीप गरगा नदी में अवैध बालू का उठाव

बोकारो। बोकारो जिला के चास प्रखंड अंतर्गत चैनपुर पंचायत के समीप गरगा नदी में बालू माफियो के द्वारा अवैध रूप से बालू का उठाव जोरो से किया जा रहा है ,नदी के पानी को रोककर माफिया के द्वारा लगातार बालू का उठाव किया जा रहा है ,इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है की प्रतिदिन करीब 50 टैक्टर बालू माफियो के द्वारा अवैध रूप से बालू का उठाव किया जा रहा है ,नदी के बीच में टैक्टर आने जाने के लिए रास्ते बना दिया गया है ,आगे ग्रामीणों का कहना है की इससे नदी का पानी प्रदूषित होता जा रहा है ,नदी में गंदगी का अंबार लगता जा रहा है , माफियो के द्वारा नदी में जगह जगह गड्ढा बना दिया गया है ,ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,ग्रामीणों ने इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारी को इसकी जानकारी दे चुके है ,फिर भी कोई कारवाई नही हो रही है ।

झारखंड के 5 मजदूर सऊदी अरब में फंसे, सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई

बोकारो। गिरिडीह व हजारीबाग के हैं मजदूर, वीडियो बना बताई स्थिति
बोकारो : बोकारो, गिरिडीह और हजारीबाग जिले के 5 मजदूर सऊदी अरब में फंसे हुए हैं. मजदूरों न वीडिओ बनाकर केंद्र व झारखंड सरकार को वतन वापसी की गुहार लगाई है. खबर मिलने के बाद मजदूरों के परिजनों ने भी केंद्र व राज्य सरकार से उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है. मजदूरों ने कहा है कि कंपनी ने उन्हें पिछले आठ महीने से वेतन नहीं दिया है. खाने-पीने की भी दिक्कत हो रही है. सभी मजदूरो की बीजा की अवधि भी समाप्त हो गई है.,
इधर, मजदूर हित में काम करनेवाले सिकंदर अली ने केंद्र व राज्य सरकार से सऊदी अरब में फंसे मजदूरों को वापस लाने में मदद की अपील की है. कहा कि यह पहली घटना नहीं है. काम की तलाश में मजदूर विदेश जाते हैं और वहां उनको यातनाएं झेलनी पड़ती हैं. बड़ी मुश्किल से स्वदेश लौट पाते हैं. पहले भी कई ऐसे मामले सामने आए हैं.ऐसे में सरकार को इस पर ठोस कदम उठाने की जरूरत हैं सऊदी अरब में फंसे मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया प्रखंड की कुसमाडीह पंचायत के जगदीश महतो, बोकारो जिले की पेंक नारायणपुर के जिवलाल महतो, विनोद महतो और हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की चानो पंचायत के चिंतामन महतो व वीरेन्द्र महतो शामिल. ये सभी मजदूर पिछले 28 मार्च को अल मुरब्बा अल हादी की कंपनी में ट्रांसमिशन के ओपीजी में काम करने के लिए सऊदी अरब गये थे

बहुचर्चित मोनिका बलात्कार कांड पर केंद्रित वेब सीरीज 'काण्ड' की शूटिंग बोकारो में 15 दिसंबर से

बोकारो। बोकारो में बनी और हाल ही में रिलीज हुई भोजपुरी फिल्म 'कभी छूटे ना बंधन प्यार के' की सफलता के बाद इस फिल्म के लेखक व निर्देशक बोकारो के अरविंद विलाश स्वामी अब जी-5 चैनल के लिए बनने वाले वेब सीरीज 'काण्ड' का लेखन व निर्देशन करेंगे। यह वेब सीरीज वर्ष 1999 में घटित बहुचर्चित व बोकारो को हिला देने वाली मोनिका बलात्कार कांड पर केंद्रित होगी। सोमवार को चास के एक होटल में इस वेब सीरीज का मुहूर्त किया गया। इस मौके पर विश्वजीत कुमार, बसंत कुमार, रमण चौधरी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर इस सीरीज के लेखक व निर्देशक अरविंद विलाश स्वामी ने बताया कि इसकी शूटिंग 15 दिसंबर से बोकारो में शुरू होगी। इस वेब सीरीज में मुंबई के प्रसिद्ध अभिनेता सौरभ शुक्ला, संजय मिश्रा, तमन्ना जैसवाल, त्रिपुरारी यादव, परितोष कुमार, बोकारो के आर्टिस्ट विश्वजीत कुमार, रामजश, आदित्य, फाल्गुनी, पिंकी, रिया, निरंजन इत्यादि विभिन्न भूमिकाओं में होंगे। उन्होंने बताया कि इस वेब सीरीज के लिए बोकारो के कुछ और आर्टिस्टों का चयन किया जाना है, इसके लिए रविवार, 3 दिसंबर को सुबह10 बजे से सिटी सेंटर, सेक्टर 4 में मानसरोवर के वैंक्वेट हॉल में आडिशन होगा।आडिशन में शामिल होने के लिए कलाकारों को कोई शुल्क नहीं लगेगा। उन्होंने बताया कि इस वेब सीरीज के असिस्टेंट डायरेक्टर आशुजीत, मैनेजर संजीव कुमार झा, असिस्टेंट मैनेजर कैलाश शर्मा होंगे।

बोकारो इस्पात सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल झ्र 8बी में शिक्षकों के लिए

- **आंतरिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन**

बोकारो कार्यालय । बोकारो इस्पात सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, सेक्टर 8 बी में शिक्षकों के लिए आंतरिक प्रशिक्षण कार्यशाला का द्वितीय दिन था। प्रशिक्षक प्राचार्य सच्चिदानन्द मिश्र ने विगत दिन का प्रशिक्षण विषय 'कक्षा प्रबन्धन' को आगे बढाते हुए आज का कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रशिक्षिका नीता सहाय ने इस कार्य में उनका पुरा सहयोग किया। प्रतिभागी शिक्षक समूह के द्वारा भूमिका निर्वहण के माध्यम से प्रशिक्षित विषय का प्रस्तुतीकरण किया गया. इस कार्यक्रम में आज अन्य विद्यालयों के प्राचार्यों समेत बी.आई.एस.एस.एस. 8बी, बी. आई. एस. एस. एस. 9ई एवं बी.आई.वी.11डी के शिक्षकगण योगदान किए।

आपकी योजनायें - अपनी योजनाओं को जानें, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। झारखंड सरकार द्वारा राज्य के 10वीं और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण(डिप्लोमा छात्रों के लिए 10वीं कक्षा उत्तीर्ण) छात्र छात्राओं जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, उनको आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू करने का निर्णय लिया गया है। यह योजना मेघावी छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करके उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी। इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा बैंकों को ऋण की राशि का 100% गारंटी देगी और छात्रों को 4% वार्षिक साधारण ब्याज दर पर रू 15 लाख तक का ऋण प्रदान किया जायेगा।

- **योजना के लाभार्थी:**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु झारखण्ड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त स्कूलों के 10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र तथा स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पाठ्यक्रमों के लिए झारखण्ड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त स्कूलों से 10वीं और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र, ऐसे शैक्षणिक संस्थान में अध्यनरत छात्र-छात्राएं जिनका एनआईआरएफ (NIRF) रैंक overall श्रेणी में 200 तक है या संस्थानों के संबंधित व्यक्तिगत श्रेणी में एनआईआरएफ (NIRF) रैंक 100 तक हैं या जिन्हें जैक (NAAC) द्वारा 'E' या उससे ऊपर का दर्जा प्राप्त हो

आवेदक की अधिकतम आयु 40 वर्ष, संबंधित कोर्स के लिए किसी भी बैंक से पूर्व से शिक्षा ऋण नहीं मिला हो।
इस योजना का पूर्व लाभार्थी नहीं होना चाहिए।

- **योजना के लाभ:**

4% वार्षिक साधारण ब्याज दर पर रू 15 लाख तक का आसान ऋण
आवेदक से कोई संपार्श्विक (Collateral) नहीं लिया जाएगा
15 साल तक ऋण चुकाने की अवधि (पाठ्यक्रम अवधि सहित)
कोर्स पूर्ण होने के उपरांत ऋण चुकाने हेतु एक वर्ष तक स्थगन (Moratorium) का विकल्प
पाठ्यक्रम शुल्क और छात्रावास जैसे संस्थागत खर्चों के लिए सहायता। गैर-संस्थागत खर्चों जैसे मेस शुल्क, यात्रा आदि के लिए 30% ऋण तक के उपयोग का प्रावधान

- **आवेदन प्रक्रिया:**

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार के द्वारा आवेदन हेतु वेब पोर्टल का निर्माण कराया जाएगा, जिसके माध्यम से आवेदन प्राप्त किया जाएगा। आपके क्षेत्र में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राएं Student Information Request Form भर कर जमा कर सकते हैं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जिले में चलाए जा रहे हैं विशेष अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

चतरा । मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर निर्वाचान आयोग ने नए मतदाता का निबंधन, 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं को चिन्हित करने एंव दिव्यांगों के पंजीकरण करने समेत अन्य कार्य को आभियान मोड में करने का निर्देश दिया गया है।इसे लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अबु इमरान ने चतरा और सिमरिया के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी को मंगलवार को कैंप के माध्यम से जनजातीय समूह एवं दूरस्त क्षेत्रों में रहने वाले जनसमूह को अभियान के तहत मतदाता सूची में निबंधन करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त पदाधिकारियों को बुधवार को सभी रैन बसैरों - आश्रय गृहों में आवासित पात्र नागरिकों तथा सभी पात्र बेघर लोगों का अभियान चला कर निबंधन कराने का निर्देश दिया है। 30 नवंबर एवं एक दिसंबर को 80 प्लस आयु वर्ग एवं दिव्यांगों का निबंधन एवं मतदाता सूची में मार्किंग हेतु विशेष अभियान चलाने को कहा गया है। पदाधिकारियों को 80 प्लस व दिव्यांग अब्सेंटी मतदाता को चिन्हित करते हुए नाम के साथ सूची भेजने का निर्देश दिया गया है ।उन्होंने विशेष अभियान के तहत घर-घर विजिट कर मतदाता सूची में पूर्व से पंजीकृत उक्त श्रेणी के मतदाताओं का शत-प्रतिशत सत्यापन कराते हुए छूटे हुये पात्र नागरिकों का निबंधन कराना सुनिश्चित करने को कहा । दो दिसंबर को अभियान चलाकर ट्रांसजेंडर,यौनकर्मी और कठिन परिस्थितियों की महिलाओं का निबंधन करने का निर्देश दिया गया है। हेतु अभियान चलाया जाएगा। तीन दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस पर दिव्यांगजनों के पंजीकरण, निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्देश दिया गया है।

मातृत्व योजना की राशि दिलाने के नाम पर ठगी, 2 गिरफ्तार

गिरिडीह। गिरिडीह में नित साइबर क्राइम के मामले सामने आ रहे हैं।गिरिडीह पुलिस की दबिश जारी है।जिले से साइबर अपराध का नामो निशान मिटाने की दिशा में पुलिस महकमा अग्रसर नजर आ रही है। इसी क्रम में ज़िले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरिडीह साइबर पुलिस ने एसपी दीपक शर्मा को मिले गुप्त सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी संदीप सुमन के नेतृत्व में विशेष टीम ने छापेमारी करते हुए मातृत्व लाभ की राशि दिलाने के नाम पर ठगी करने के दो आरोपियों छोटू मंडल और अजय मंडल को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महदईया गांव के रहने वाले है। पुलिस ने इनलोगों के पास से दो मोबाइल और चार सिम बरामद किया है। बताया गया कि ये दोनों अलग-अलग प्रकार के एप मोबाइल फोन में इंस्टॉल करवा कर ठगी की घटना को अंजाम देते थे। इन एप में एल्पेमिक्स, एनीडेस्क और टीमव्यू शामिल है।

झारखंड कॉलेज में एलुमनी सेल का पुर्नगठन

डुमरी। झारखंड कॉलेज डुमरी के विनोद बिहारी महतो सभागार में मंगलवार को आईक्यूएसी द्वारा प्रायोजित एलुमनी सेल के दिशानिर्देश में पूर्ववर्ती छात्र छात्राओं की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।जिसमें एलुमनी सेल को पुनर्जीवित करने,नए पदाधिकारियों का चयन,सेल का रजिस्ट्रेशन आदि मुद्दों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य प्रो पी के सिन्हा रुसा कॉर्डिनेटर डॉ मुनिलाल ठाकुर आईक्यूएसी के कॉर्डिनेटर डॉ सुजीत माथुर एलुमनी सेल समन्वयक डॉ बद्री नारायण प्रसाद,प्रो मनोज सिंह,प्रो घनश्याम यादव के द्वारा द्वीप प्रज्वलन से की गई।डॉ माथुर ने विस्तार से पूर्ववर्ती छात्र छात्राओं को एलुमनी सेल के बारे में बताते हुए कॉलेज विकास में सहभागी बनने के लिए सेल को मजबूत करने को कहा।स्वागत भाषण प्रो मनोज सिंह व मंच संचालन डॉ बद्रीनारायण प्रसाद ने किया।प्राचार्य ने अपने संबोधन में सभी पूर्ववर्ती छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की साथ ही उन्होंने छात्राओ से कहा कि जब बेटी विदा हो जाती है तो मायके से उनका संबंध खत्म नहीं हो जाता उसी तरह कॉलेज से भले आपकी विदाई हुई है,संबंध खत्म नहीं हुई है।वक्ताओं में डॉ मुनिलाल ठाकुर,डॉ अमिता मिश्रा,प्रो तालेश्वर नायक,प्रो शंकर ठाकुर,प्रो घनश्याम यादव पूर्ववर्ती छात्र मुकेश दिवाकर असिस्टेंट प्रोफेसर सरिया कॉलेज व दिव्या रानी असिस्टेंट प्रोफेसर पीएन कॉलेज इसरी प्रमुख थे।एलुमनी सेल को पुर्नगठित करते हुए रवि कुमार ठाकुर को अध्यक्ष अमित कुमार को उपाध्यक्ष आरती जायसवाल को सचिव कुमारी ईशिका को संयुक्त सचिव एवं भेखलाल महतो को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

पिपरवार क्षेत्र के बचरा गुरूद्वारा परिसर में आयोजित 554वें प्रकाश उत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए बड़कागांव विधायक सुश्री अंबा प्रसाद

बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक राज्यवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा रोटियां बनाकर गुरु पर्व के लंगर में अपनी सेवा दी।*

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पिपरवाह क्षेत्र के बचरा गुरूद्वारा परिसर में आयोजित ₹554वें प्रकाश उत्सव₹ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए बड़कागांव विधायक सुश्री अंबा प्रसाद।इस अवसर पर विधायक ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक राज्यवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मौके पर विधायक ने समस्त सिख समुदाय एवं देशवासियों को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व और कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि आज का दिन पवित्र दिन है। आज के दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। वैसे तो मुझे कई मौकों पर इस परिसर में आने का मौका मिला है। परंतु आज का दिन हमसभी के लिए काफी विशेष दिन है क्योंकि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुग्रंथ साहिब की स्थापना स्थल पर मुझे मत्था टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। विधायक ने कहा कि आज बहुत कुछ बोलने का नहीं बल्कि सुनने का दिन है। इस परिसर में आज बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग उपस्थित हुए हैं। यहां उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को मैं अपनी ओर से प्रकाश उत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। इस अवसर पर उनके साथ पिपरवार क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र गुप्ता,मंगल सिंह,अनिल सोनी,बैजू सिंह, संतोष यादव, रामनन्दन राम,निर्मल सिंह ,तेजनाथ महतो, उमेश यादव, बसंत गुप्ता, बल्लू सिंह, प्रेम गुप्ता, फुलेश्वर महतो,पवन गुप्ता और भी गुरूद्वारा कमेटी के लोग उपस्थित थे।।

धरातल में कार्यो से प्रभावित केपीएस मानगो ने प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन के पहल पर एक मिसाल पेश करते हुए राखामाइसं के दिनोंबंधु कुष्ठ आश्रम में 25 परिवारों एवं अंत्योदय भवन कुष्ठ आश्रम को सूखा राशन प्रदान किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। धरातल में जीवन बसर कर रहे उन जरूरतमंद लोगों के लिए जिन्हें दो वक्त का भोजन के लिए काफी जद्दोजहद करना पड़ता है। प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन के पहल पर, केपीएस मानगो के निर्देशक श्री शरत चंद्रन के देखरेख में, विद्यालय में पढ़ रहे बच्चे बच्चियों एवं शिक्षकों के अपार सहयोग से, एक बहुत बड़ा अभियान चलाते

हुए राखामाइसं स्थित दिनोंबंधु कुष्ठ आश्रम में रह रहे 25 परिवारों के लिए लगभग तीन महीनो तक इन सभी को एक परिवार में जरूरत के सभी सुखा राशन, एवं अतोंदया भवन कुष्ठ आश्रम हेतु, उपलब्ध कराते हुए एवं अपार मानव प्रेम को दर्शाते हुए मानव धर्म निभाया। विगत दो वर्षों से प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन वहां जाकर इन लोगों के सुख-दुख में शामिल होते हैं। और आज से एक शिक्षा का मंदिर यानी केपीएस मानगो भी इस अभियान का हिस्सा बन गया। इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से किया जाता है। जिसके तहत केपीएस परिवार अपना सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हैं और आगे भी करते रहेंगे।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत 9 प्रखंड के 10 पंचायत एवं 2 नगर निकायों में आयोजित हुआ शिविर

- **उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जमशेदपुर प्रखंड के बेको पंचायत में आयोजित शिविर का किया गया निरीक्षण**
- **विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन कर शत प्रतिशत सुयोग्य व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित करने का दिये निर्देश**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम में आज 9 प्रखंड के 10 पंचायत एवं 2 नगर निकायों में शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जमशेदपुर प्रखंड के बेको पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने लगाए गए सभी विभागीय स्टॉल का अवलोकन किया और शिविर स्थल पर मौजूद लाभुकों से उनकी समस्या की जानकारी ली और शिविर के क्रियान्वयन के वस्तुस्थिति से अवगत हुए।
आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके-द्वार कार्यक्रम के दौरान जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त

श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने आमजनों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आपकी समस्याओं का समाधान और निराकरण को लेकर आयोजित किया जा रहा है। राज्य सरकार की विशेष पहल के द्वारा आमजनों को अपने ही पंचायत में अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन देने के साथ नई योजनाओं की जानकारी और लाभ लेने के विधिवत तरीके के बारे में बताया जा रहा है । दौरान जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि आवेदन जमा करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखे कि आवश्यक दस्तावेज, मोबाइल नंबर फॉर्म के साथ हो ताकि समय पर आपको आवेदन की प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी दी जा सके।
जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'अबुआ आवास योजना' से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि पंचायतों में लगने वाले प्रत्येक शिविर में अलग से काउंटर बनाए गए है। इस योजना का लाभ केवल आवास विहीन परिवारों (जिनके पास एक भी पक्का मकान नहीं है) को दिया जाएगा। इसके तहत तीन कमरों का पक्का मकान और रसोई घर का निर्माण होगा। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 10 वीं और 12 वीं कक्षा के बच्चों को 15 लाख रुपये तक शिक्षा ऋण प्रदान करने की योजना राज्य सरकार द्वारा लागू किया गया है।
जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि 'आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके-द्वार कार्यक्रम' का उद्देश्य राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक सीधे पहुंचाना है। उन्होंने लाभुकों से कहा कि वे अपनी समस्याओं को लेकर बेझिझक शिविर में आएं और उनका निराकरण किया जाएगा। पंचायत स्तरीय शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया । जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। इस क्रम में गुरुजी स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड योजना के तहत कुल 08 छात्र छात्राओं को लाभ दिया गया। समाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत चाम्पा सोरेन, पिता गुन्दु सोरेन और सुनिता महतो पति-स्व शिलु महतो को पेंशन योजना से लाभांवित किया गया। सावित्री बाई फुले योजना के तहत जशनी सोरेन, रोशनी हेमब्रोम, मोनिका महतो, पिंकी महतो, शिवानी कर्मकार, पूनम महतो, राखी महतो को लाभ दिया गया। साथ ही कुल 14 छात्र छात्राओं के बीच साईकिल वितरण किया गया। फूलो झानो आर्शीवाद योजना के तहत सोनामुनी मुर्मू, पति रुपाय मुर्मू को योजना के तहत कुल 10000 की राशि का चेक प्रदान किया गया। सभी लाभुकों को फलदार पौधा देकर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग किया गया। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने शिविर में उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मियों को निर्देशित किया कि वे लाभुकों को योजनाओं के बारे में पूरी जानकारी दें और उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण करें। उन्होंने निर्देश दिया कि शिविर में पहुंचने वाले किसी भी लाभुक को परेशानी न हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभुकों द्वारा दिए गए आवेदनों की जांच कर मौके पर ही योग्य आवेदनों को स्वीकृत कर लाभान्वित करें। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को शिविर में पूरी लगन और निष्ठा से कार्य करने और आम जनता की समस्याओं का समाधान तत्परता के साथ करने का निर्देश दिया।

सावधानी जरूरी है

चीन में एक रहस्यमय बीमारी तेजी से फैल रही है। हजारों बच्चे अस्पताल में रोज भर्ती हो रहे हैं। भारत सरकार ने यहां किसी खतरे से इनकार किया है, मगर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

चीन में एक बार फिर से अज्ञात बीमारी का डर बढ़ गया है, जिसे एक तरह का निमोनिया बताया जा रहा है। हर रोज वहां हजारों बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है, जिन्हें तेज बुखार है, सांस लेने में दिक्कत हो रही है और किसी-किसी के फेफड़ों में गांठें भी बन रही हैं। चीन का कहना है कि यह कोई नया वायरस नहीं है और इस बीमारी में सांस से जुड़ी बीमारियों में काम आने वाली एंटीबायोटिक असरदार हैं। इस बीमारी पर हल्ड को चीन ने कुछ जानकारी मुहैया तो कराई है, जिसे संगठन ने अपर्याप्त करार दिया है। उधर, सोशल मीडिया पर चीन की जैसी विडियोज शेयर हो रही हैं, उसने लोगों को एक बार फिर भयभीत कर दिया है। डर की एक बड़ी वजह यह भी है कि 2019 में कोविड-19 भी इसी मौसम में उभरना शुरू हुआ था, जिसने अगले तीन से चार महीने में पूरी दुनिया को अपनी जद में ले लिया था। उस वक्त भी चीन यही कह रहा था कि यह सामान्य बीमारी है, चिंता की कोई खास बात नहीं है। लेकिन चीन के ये सारे दावे खोखले निकले थे और उसके झूठ की कीमत दुनिया ने चुकाई थी। और तो और, भारत सहित लगभग हर देश की सरकारों ने भी पूरी तैयारी होने का दावा किया था, लेकिन सारी तैयारी धरी की धरी रह गई थी। इस बार भी चीन और दुनिया भर की सरकारों का ऐसा ही दावा है।

यह भी तर्क दिए जा रहे हैं कि यह लॉकडाउन खुलने के बाद का साइड इफेक्ट हो सकता है। जॉन हॉपकिंस सेंटर फॉर हेल्थ सिक्यॉरिटी का कहना है कि पिछले साल जब अमेरिका में लॉकडाउन हटाया गया था तो बच्चों में सांस से जुड़ी बीमारियों में अचानक इजाफा देखने को मिला था। वजह यह कि लॉकडाउन में अन्य बीमारियों का प्रसार रुक जाता है।

जब लॉकडाउन खुलता है तो इस तरह की बीमारियां तेजी से फैलती हैं, और ऐसा लगभग हर देश में देखा गया है। भारत में भी जब लॉकडाउन खोला गया था तो लोगों में इन्फ्लुएंजा और सांस से जुड़ी अन्य बीमारियां तेजी से फैली थीं। हल्ड का भी कहना है कि इस बीमारी में महामारी जैसे कोई आसार नहीं दिख रहे हैं, यह राहत भरी बात है। लेकिन चीन पर दुनिया भर में अब किसी को उतना विश्वास नहीं रह गया है, जितना कोविड-19 से पहले के युग में हुआ करता था। अच्छी बात है कि भारत सरकार ने इस बीमारी को गंभीरता से लिया है और इसके लिए राज्यों और हेल्थ सिस्टम को अलर्ट कर दिया है। राहत भरी खबर यह भी है कि इस बीमारी का एक भी केस अभी तक दुनिया के किसी दूसरे देश में नहीं पाया गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम असावधान हो जाएं।

बाइडन-चिनफिंग ज़्यों मिले! शतरंज से भी रोमांचक है यह गेम, शह-मात का खेल समझिए

दो दिन पहले हुई अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने जहां इनके रिश्तों में आए तनाव को कम किया है, वहीं बंदिशों और ट्रेड वॉर की अमेरिकी पॉलिसी की सीमाएं भी स्पष्ट कर दी हैं। चाहे पिछले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप रहे हों या मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन- इनके कार्यकाल में उठाए गए चीनी रफ्तार पर अंकुश लगाने वाले कदम एक हद से ज्यादा उपयोगी नहीं साबित हो पाए। हालांकि इस मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्ते कैसा मोड़ लेते हैं और अमेरिका के रुख में कितनी नरमी आती है, यह स्पष्ट होने में वक्त लगेगा, लेकिन इसमें शक नहीं कि चीन अपनी नीतियों के माध्यम से दुनिया को एक नया ढांचा देने की कोशिश करता रहा है। यह भी सच है कि लीडिंग देश हमेशा से ऐसा करते रहे हैं और चीन इस लिहाज से कुछ नया या अनोखा नहीं कर रहा। लेकिन खास बात यह है कि यह नया संभावित ढांचा एक ऐसी बुनियाद पर खड़ा होगा, जिसमें कंधा किसी और का होगा, बंदूक किसी और की।

उम्मीद के आधार

चीन के सचमुच ऐसा कर ले जाने की उम्मीद के पीछे दो अहम फैक्टर हैं।

-पहला, चीन की बड़ी इकॉनमी और उससे निर्मित उसका मजबूत और आधुनिक सैन्य ढांचा।

-दूसरा, कम्युनिस्ट शासन के अंतर्गत 'वन पार्टी सिस्टम' जिसमें पावर सेंटर एक ही है।

जिस तरह से चीन बेल्ट एंड रोड इनीशटिव(बीआरआई), डेट ट्रैप डिप्लोमैसी और पैलेस डिप्लोमैसी के जरिए पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव छोड़ने में सफल होता रहा है, उसके पीछे भी इन दोनों कारकों की बड़ी भूमिका रही है।

अपनी इन तीनों नीतियों - बीआरआई, डेट डिप्लोमैसी और पैलेस डिप्लोमैसी- के जरिए चीन ने दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया, मध्य-पूर्व और अफ्रीकी देशों में इंफ्रा प्रॉजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर पैसे लगाए हैं और काफी हद तक इन सरकारों पर नियंत्रण स्थापित करने की स्थिति में पहुंच चुका है। वैसे देखा जाए तो उसकी डेट ट्रैप डिप्लोमैसी और पैलेस डिप्लोमैसी अलग-अलग नहीं हैं। ये एक ही व्यवस्था के दो छोर हैं जिनका सबसे अधिक शिकार अफ्रीकी देश हो रहे हैं।

वर्तमान समय में चीन और साउथ अफ्रीका की बॉन्डिंग में निवेश, उधार और कर्ज की धनराशि की अहम भूमिका है। लेकिन इसका सच अभी वहां की सरकारें या तो देख नहीं पा रहीं या देखना चाहती ही नहीं।

-चीन, अफ्रीका का बड़ा व्यापारिक सहयोगी और अफ्रीकी इंफ्रा और माइंस से जुड़ी परियोजनाओं में बड़ा निवेशक है।

-यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डिवेलपमेंट(यूएनसीटीएडी) के आंकड़ों के अनुसार चीन, एफडीआई के मामले में अफ्रीका के टॉप 5 निवेशक देशों में है।

-जॉन हॉपकिन्स के चाइना-अफ्रीका रिसर्च इनीशटिव के मुताबिक, साल 2000 से 2019 के बीच चीनी निवेशकों ने अफ्रीकी सरकारों और सरकारी उपक्रमों को करीब 1,141 लोन कमिटमेंट्स दिए। इनका कुल मूल्य करीब 153 अरब डॉलर है।

-अब यह संख्या और कर्ज की राशि काफी अधिक हो चुकी है। कारण यह कि अफ्रीका और एशिया के कई विकासशील और गरीब देशों को भारी-भरकम कर्ज देना बीते कई वर्षों से चीन की कूटनीति का हिस्सा रहा है।

-इन कर्जों का एक बहुत बड़ा हिस्सा हिडेन यानी छुपा हुआ है। इसके पीछे चीन की कोई नेक मंशा तो नहीं होगी।

महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जैसे-जैसे अध्ययन का दायरा बढ़ता जा रहा है चीन की कलई खुलती जा रही है। चीनी गतिविधियों को देखते हुए अफ्रीका के प्रति अमेरिकी संवेदनाओं में भी थोड़ा वैल्यू ऐडिशन होता दिख रहा है।

चाहे पिछले राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप रहे हों या मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन- इनके कार्यकाल में उठाए गए चीनी रफ्तार पर अंकुश लगाने वाले कदम एक हद से ज्यादा उपयोगी नहीं साबित हो पाए। हालांकि इस मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्ते कैसा मोड़ लेते हैं और अमेरिका के रुख में कितनी नरमी आती है, यह स्पष्ट होने में वक्त लगेगा, लेकिन इसमें शक नहीं कि चीन अपनी नीतियों के माध्यम से दुनिया को एक नया ढांचा देने की कोशिश करता रहा है।

-अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2022 में अफ्रीकी देशों के लिए वॉशिंगटन में एक सम्मेलन बुलाया और उसकी मेजबानी की। अमेरिका में लगभग आठ वर्ष बाद ऐसे सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

-यही नहीं इस सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने अफ्रीका के लिए बड़ी सहायता राशि और निवेश की भी घोषणा की थी।

-उनका तर्क था कि जब अफ्रीका कामयाब होगा तो अमेरिका और दुनिया के बाकी देश भी कामयाब होंगे।

यूरोप भी जागने की कोशिश कर रहा है। यूरोपीय संघ ने चीनी बीआरआई के विकल्प के तौर पर सितंबर 2021 में ग्लोबल गेटवे की पहल की। इस इनीशटिव को लेकर किसी निष्कर्ष तक पहुंचा जाए, उससे पहले कुछ सवालों से गुजरना होगा।

-पहला, यह ग्लोबल गेटवे बीआरआई से कितना अलग है?

-दूसरा, ग्लोबल गेटवे, बीआरआई की तुलना में कहां ठहरता है?

-तीसरा, दुनिया आश्चर्य की तरह क्यों देख रही है ग्लोबल गेटवे को?

इन सबका कॉमन उत्तर यह है कि ग्लोबल गेटवे चीनी बीआरआई की तुलना में संकुचित, सीमित, गैर-प्रतिस्पर्धी और कमजोर है। इसका पहला प्रमाण यह है कि फाउंडेशन के 2 वर्ष बाद पहला फोरम अक्टूबर 2023 में आयोजित हुआ और उसमें भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जा सके। पिछले 10 वर्षों में चीन ने दुनिया भर में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में करीब 900 अरब यूरो (948 अरब डॉलर) का निवेश किया जबकि यूरोपीय संघ की योजना 2027 तक कुछ देशों में सिर्फ 300 अरब यूरो निवेश करने की है। ग्लोबल गेटवे में केवल 60 भागीदार हैं जबकि बीआरआई में 150 से अधिक। जाहिर है, बीआरआई की तुलना में ग्लोबल गेटवे की जियो-इकॉनमिक्स अप्रभावी ही है।

चीन आगे है

फिलहाल चीन बेल्ट एंड रोड इनीशटिव, डेट ट्रैप डिप्लोमैसी और पैलेस डिप्लोमैसी के जरिए निवेश और नियंत्रण के मामले में बहुत आगे निकल चुका है। इसने चीन की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को तो विस्तार दिया ही है सैन्य व्यवस्था को भी नया रूप देने में सफलता अर्जित की है।

फिलहाल पश्चिमी दुनिया भले ही इसे गरीब देशों को प्रभावित करने वाला एक चीनी उपकरण मान रही हो लेकिन वास्तव में यह है 21वीं सदी की 'मार्शल योजना' जिसके निहितार्थ भी काफी व्यापक हैं।

दैनिक पंचांग

29 नवम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.46 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मकर	09.52 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.38 बजे से
बुध	धनु में	मीन	13.11 बजे से
गुरु	मेष में	मेष	14.41 बजे से
शुक्र	कन्या में	वृष	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	18.20 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	20.33 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	22.49 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कन्या	01.01 बजे से
		तुला	03.12 बजे से
		वृश्चिक	05.26 ब.से

बुधवार 2023 वर्ष का 333 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 13.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 13.59 बजे को समाप्त।
योग साध्य 20.54 बजे को समाप्त।
करण गर 13.57 बजे तदनन्तर वणिज 02.07 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.6 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 23'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871812
जूलियन दिन 2460277.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जमादि उलावल
तारीख 14

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 29 नवम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मार्ग-दर्शन

वृक्ष की सेवा से मिली समृद्धि

किसी गांव में एक विधवा महिला और उसका पुत्र जगत रहते थे। उनके घर के पास पीपल का एक पेड़ था, जिसे जगत मां के कहने पर रोज पानी दिया करता था। एक बार जगत बीमार हो गया, किंतु बीमारी में भी उसने पेड़ को पानी देना नहीं छोड़ा। एक दिन जब वह खाट से उठकर पेड़ को पानी देने गया तो पेड़ में स्थित देवता का स्वर गूंजा, 'मैं तेरी सेवा से बहुत खुश हूं। तू कोई वर मांग।' जगत ने कहा, 'हे वृक्ष देवता! आपसे तो हमें शुद्ध वायु, छाया, लकड़ी आदि अनेक चीजें प्राप्त होती हैं और हमारे जीवन का आधार भी आप ही हैं। मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए। बस, आप मुझे आपके नीचे गिरे पत्ते ले जाने की अनुमति दीजिए ताकि यहां सफाई रहे।' पीपल ने अनुमति दे दी। जगत पत्ते एकत्रित कर ले गया और घर के एक कोने में रख दिए। दोनों मां-बेटे अगले दिन यह देखकर हैरान रह गए कि पत्ते पीली धातु में बदल गए थे। दोनों को लगा कि कहीं ये सोने के तो नहीं बन गए। जब मां उन्हें लेकर साहूकार के यहां गई तो उसने सोना होने के बावजूद उन्हें पीतल बताया और कुछ राशन उनके बदले दे दिया। अब नित्य यही होने लगा। एक दिन लोभी साहूकार ने जगत की निगरानी कर पत्तों का राज जान लिया। उसने भी पत्ते इकट्ठे किए, किंतु अगले दिन वे बिच्छुओं में बदल गए। बिच्छुओं की फौज काटने दौड़ी तो वह वृक्ष देवता के पास पहुंचा और क्षमा मांगी। देवता के कहने पर साहूकार ने अब तक लिए सोने के सारे पत्तों का पैसा चुकाया। अब निर्धन जगत के दिन बदल गए। कथासार यह है कि वृक्ष हमारे जीवन दाता हैं, क्योंकि ये हमारी सांसों के आधार हैं और हमारे जीवन के उचित संचालन में अनेक वस्तुओं को प्रदान कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अत: वृक्षों की रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है।

जीने की राह

सत्संग के लिए निष्क्रिय मन जरूरी

आज के समय में इतने सब साधन होने के बाद भी मनुष्य की उलझनें खत्म ही नहीं हो रहीं। सबसे ज्यादा उलझन में डालता है उसका मन। ऐसा कहते हैं जब आपको समझ में आना बंद हो जाए तो दूसरे किसी की समझ का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए एक अच्छा माध्यम है सत्संग। इसका पाप-पुण्य से कोई लेना-देना नहीं है। समझ बढ़ाने और होश को जगाने के लिए सत्संग किया जाना चाहिए। किंतु ध्यान रखें यदि आपके विचार सक्रिय रहे, तो आपका श्रवण पूरा नहीं हो पाएगा। इसलिए जो लोग बहुत अधिक सोचेंगे वे सत्संग को ठीक से नहीं सुन पाएंगे। कम से कम उतनी देर अपने विचारों को रोक दें। कुछ मामलों में ज्ञान भी कचरा बन जाता है। खासतौर पर जब ईश्वर की उपलब्धि करना हो, तो ज्ञान का एक हिस्सा जो कचरा ही होता है उसे हटाना पड़ेगा, लेकिन यह आसान नहीं होता। यदि आप बुद्धि का कचरा खिसका भी दो, तो मन सावधान हो जाता है। मन समझ जाता है अब अगला निशाना वही होगा। उसके पास भी कूड़े का भंडार होता है। मन विचलन शुरू कर देता है और भीतर सबकुछ अस्पष्ट होने लगता है और यहीं से लोग सत्संग में सही लाभ नहीं उठा पाते। ये बिना पंख के पक्षी जैसा है। लंबी उड़ान भरेगा। कभी हिरण की तरह छलांगें मारेगा तो कभी शेर की तरह दहाड़ेगा। इसलिए सत्संग में बैठने के पहले इसे भी खाली करना जरूरी है। जब बुद्धि को विचार शून्य कर रहे हों, तब मन को भी निष्क्रिय करने की क्रिया शुरू कर देनी चाहिए। एक दम खाली होकर बैठिए परमात्मा को भरने के लिए। तब आनंद आता है सत्संग का।

सुप्रीम कोर्ट सख्त

जजों की नियुक्ति और उनके तबादलों का मामला दिनो-दिन उलझता दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर सरकार का ध्यान इस ओर खींचा कि कलीजियम की सिफारिशों पर अमल के मामले में कथित सिलेक्टिव रवैये की वजह से कई तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट कलीजियम ने हाल में हाईकोर्टों के 11 जजों के तबादले की सिफारिश की थी। इनमें से पांच जजों के तबादले कर दिए गए, लेकिन छह जजों का मामला लंबित है। इन लंबित मामलों में चार गुजरात हाईकोर्ट के जजों का है, जबकि एक-एक इलाहाबाद और दिल्ली हाईकोर्ट का। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा कि आखिर सरकार क्या संकेत देना चाहती है? जजों की नियुक्ति के मामले में भी ऐसे कई नाम हैं, जो कलीजियम की सिफारिश के बाद भी क्लियर नहीं किए गए हैं जबकि उन्हें कलीजियम के पास पुनर्विचार के लिए भेजे जाने की अपेक्षित अवधि बीत चुकी है। अप्रैल 2021 के अपने एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि अगर कलीजियम सर्वसम्मति से अपनी सिफारिशें दोबारा भेजता है तो उसके बाद तीन से चार सप्ताह के अंदर केंद्र सरकार को जजों की नियुक्ति कर देनी चाहिए। इन लंबित मामलों में ऐसा नहीं हुआ और अब सुप्रीम कोर्ट केंद्रीय कानून और न्याय मामलों के मंत्रालय के खिलाफ अवमानना संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इस गतिरोध के पीछे जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर कार्यपालिका और न्यायपालिका में उपजे मतभेदों का हाथ माना जा रहा है। यह बात पब्लिक डोमेन में आ चुकी है कि सरकार नियुक्ति के कलीजियम सिस्टम के खिलाफ है। 2015 में ही उसने नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट कमिशन (NJAC) एक्ट लागू किया था, जिसके मुताबिक जजों की नियुक्ति एक आयोग के जरिए होनी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस एक्ट को असंवैधानिक करार देते हुए मौजूदा कलीजियम सिस्टम को ही बहाल रखा। नियुक्ति की इस प्रक्रिया पर कई तरफ से सवाल उठते रहे हैं। इनमें से कई सवाल वाजिब भी हैं। खुद सुप्रीम कोर्ट भी मान चुका है कि यह सिस्टम फूलप्रूफ नहीं है। लेकिन जब तक किसी नई वैकल्पिक व्यवस्था पर सहमति नहीं बनती, तब तक इसी से काम चलाना होगा। ऐसे में अगर इसे सही ढंग से लागू नहीं किया जाएगा तो न्यायपालिका का काम करना मुश्किल हो जाएगा। व्यवस्था कोई भी हो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि देश में न्यायपालिका स्वतंत्र ढंग से अपना काम करे और उसके कामकाज में सरकार की अनावश्यक दखलंदाजी न हो। अगर किसी वजह से यह संदेश जाता है कि सरकार कुछ खास जजों के तबादलों को लेकर कोई विशेष आग्रह रखती है तो यह किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा। जजों की नियुक्ति का मसला भी ऐसा ही है। इस गतिरोध को जल्द दूर करना चाहिए। इसमें जितनी देर होगी, मामला उतना ही जटिल होता जाएगा।

दिल्ली में मेट्रो ट्रेन, डीटीसी और कैब सर्विस है तो फिर क्यों है डूम्टा की जरूरत?

बीते 20 साल में दिल्ली में मेट्रो का नेटवर्क बढ़कर 350 किमी का हो गया है। इस पर रोजाना लाखों पैसेंजर सफर करते हैं। इसके अलावा इस शहर में स्टेज कैरिज के तहत डीटीसी और डिम्टस की बसों की संख्या भी पांच हजार से अधिक है। इसके अलावा यहां बड़ी संख्या में ऐप आधारित टैक्सी, ऑटो भी हैं लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में प्राइवेट गाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट को लगातार कोसा जाता है। हालत ये है कि लाखों लोग इसलिए प्राइवेट गाड़ियां खरीदते हैं, क्योंकि दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर नहीं माना जाता।

क्या है इसका इलाज?

दरअसल, दिल्ली में बसों का जितना बेड़ा है और मेट्रो का जितना बड़ा नेटवर्क है, वह संभवत: भारत के किसी शहर में भी नहीं है लेकिन इसके बावजूद पब्लिक ट्रांसपोर्ट के नाम पर दिल्ली इसलिए पिछड़ी हुई है, क्योंकि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को एक सिस्टम के तहत नहीं चलाया जाता। कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां मेट्रो भी है और बड़ी संख्या में बसें भी लेकिन कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां न बस है, न मेट्रो और न ही ऑटो टैक्सी वाले जाना चाहते हैं। वहां के लोग ई रिक्शशा और ग्रामीण सेवा जैसे शेयरिंग ट्रांसपोर्ट सिस्टम के भरोसे ही हैं।

ऐसे में जरुरत है यूनीफाइड मेट्रोपॉलिटेन ट्रांजिट अथॉरिटी की। ये इस तरह की अम्ब्रेला अथॉरिटी होती है, जिसके दायरे में सभी तरह के न सिर्फ ट्रांसपोर्ट मोड आते हैं बल्कि ट्रैफिक पुलिस और प्लानिंग विभाग भी इसका पार्ट होते हैं। इस अथॉरिटी का मकसद यही होता है कि ट्रांसपोर्ट से जुड़े सभी विभागों में इस तरह से तालमेल बने कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट का बेहतर उपयोग हो ताकि उसका फायदा आम आदमी को मिले। इसके लिए आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कुछ साल पहले बाकायदा सभी राज्यों को अनुरोध भी किया था और इसके लिए एक मॉडल प्रस्ताव भी तैयार किया था।

दिल्ली इस मामले में पिछड़ी

दिलचस्प ये है कि कई शहरों ने इस तर्ज पर अथॉरिटी का गठन कर लिया लेकिन दिल्ली में बरसों से ये प्रस्ताव लंबित है। शीला दीक्षित के कार्यकाल में दिल्ली यूनीफाइड मेट्रोपोलिटेन ट्रांजिट अथॉरिटी (डूम्टा) का प्रस्ताव तैयार किया गया था। लेकिन उस वक्त ये मामला ऐसा अटका की कि उसके बाद इस का कोई नामलेवा ही नहीं रहा। दिल्ली के लिए डूम्टा इसलिए भी जरुरी है, क्योंकि केंद्रशासित क्षेत्र होने के नाते डीटीसी, डिम्टस तो सीधे दिल्ली सरकार के अधीन हैं जबकि मेट्रो में दिल्ली और केंद्र सरकार की बराबर की हिस्सेदारी है। तीसरा बड़ा विभाग दिल्ली ट्रैफिक पुलिस केंद्र के अधीन है। ऐसे में इन सभी में तालमेल बन ही नहीं पाता। नतीजा ये होता है कि मेट्रो और बसों का बड़ा नेटवर्क होने के बावजूद दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट बुरी हालत में है।

अगर ये अथॉरिटी बन जाए तो उसमें ये सभी विभाग के साथ ही ट्रैफिक पुलिस की भी जवाबदेही तय होगी और उसे अथॉरिटी में जवाब देना पड़ेगा। अभी हालत ये है कि डिम्टस और डीटीसी की बसें अपने हिसाब से चल रही हैं। किसी को ये पता ही नहीं कि बस कितनी देर में आएगी और कितनी देर में नहीं। इसी तरह ट्रैफिक पुलिस अपना अलग दृष्टिकोण लेकर काम करती है।

ट्रैफिक पुलिस किस तरह से अपनी राह चुनती है, उसका उदाहरण बीआरटी कॉरिडोर प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को ट्रैफिक पुलिस ने अपना समर्थन देने से इनकार कर दिया और उस कॉरिडोर में ट्रैफिक पुलिसकर्मी ही तैनात नहीं किए। नतीजा अराजकता की वजह से ये प्रोजेक्ट ही बंद कर देना पड़ा। बाद में इस कॉरिडोर को ही तोड़ दिया गया। अगर डूम्टा होता तो शायद ट्रैफिक पुलिस उस प्रोजेक्ट से खुद को अलग नहीं करती।

प्रसंगत: सहयोग की भावना

महामना मदनमोहन मालवीय को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए धन की आवश्यकता थी। इसलिए वह समाज के संपन्न लोगों से मिलकर उनसे इस सत्कार्य में सहयोग की प्रार्थना करते थे। मालवीय जी के एक मित्र उन्हें इसके लिए एक बड़े व्यापारी के घर ले गए। आवाज देने पर सेठ जी ने बैठक का दरवाजा खोला और दोनों अतिथियों को बैठाया। उस वक्त शाम हो जाने के कारण अंधेरा छाने लगा था। बैठक में बिजली नहीं थी, इसलिए सेठ जी ने अपने छोटे बेटे को लालटेन जलाने को कहा। बेटा लालटेन और दियासलाई लेकर आया। उसने माचिस की एक तीली जलाई, परंतु लालटेन तक आते-आते बुझ गई। इस तरह उसने तीन तीलियां बर्बाद कर दीं। इस पर सेठ जी ने लड़के से नाराज होकर कहा, 'तुमने माचिस की तीन तीलियां बर्बाद कर दीं, कितने लापरवाह हो।' यह कहकर सेठ जी जब अंदर गए तो मालवीय जी ने अपने मित्र की ओर देखा, मानो कह रहे हों कि इ

सलाह देना आपकी आदत तो नहीं?

सलाह एक ऐसा शब्द है जिसका लेने-देने में जितना कम से कम उपयोग किया जाए उतना ही संबंधों के लिए बेहतर रहता है। आवश्यकतानुसार इसका आदान-प्रदान उचित है किंतु जरूरत से ज्यादा सलाह फिर संबंधों में तनाव ही लाती है। इसका प्रगाढ़ता-घनिष्ठता पर असर दिखाई देने लगता है।

रीमा व तनु दोनों में सगी बहनें होने के बावजूद सहेलियों जैसी घनिष्ठता थी। चूँकि रीमा कानपुर व बड़ी बहन तनु दिल्ली रहती थी इसलिए तकरीबन रोज ही फोन पर बातें कर दिल को तसल्ली मिल जाती थी।

> यदि आप कभी किसी को कुछ राय अथवा सलाह देते हैं या कभी देना चाहते हैं तब भी संबंधित व्यक्ति तक ही इसको सीमित रखें न कि चारों ओर अपनी दी हुई सीख का गुणगान ही करते रहें।

परंतु इधर कुछ दिनों से रीमा तनु के साथ बातें करने से कतराने लगी है और पहले जैसी आत्मीयता भी नहीं दिखाई दे रही थी। कारण, तनु का फोन पर रीमा को घर की हर छोटी-छोटी बात पर सलाह-मशविरा देना। बात-बात पर टोका-टाकी कर ढेरों हिदायतें दे डालना। मसलन आज खाने में यह क्यों बनाया, वैसा बनाना चाहिए या यह कोई समय है खाने का, फलाँ समय तक खा लेना चाहिए। कभी-कभार बच्चों के संग बाहर खाने-पीने चले जाओ तो इसी बात पर सलाह कि नहीं जाना चाहिए, घर में ही खाने की व्यवस्था होनी चाहिए वगैरह-वगैरह। यहाँ तक कि कई बार तो तनु रीमा को घर की सफाई-व्यवस्था तक के विषय में मशविरा देने लगती है, बात-बात पर एक ही वाकया कि अपना काम करने का रूटीन बदल। हर काम के करने का तरीका व समय तक निश्चित करने लगी है। इतना ही नहीं, आजकल तो यह सलाह तक देने लगी है कि कौन-कौन-से रिश्ते-नातों से मिलना या संबंध रखने चाहिए। यदि कभी आपस में हुई बातचीत के बारे में बता दो फिर तो लंबा-चौड़ा भाषण ही शुरू कर देगी कि तुझे ऐसे नहीं कहना था या फिर उनके साथ ऐसे बर्ताव करती तो ठीक रहता, खैर! अब आगे से ध्यान रखना।

रीमा का यही कहना है कि अब इतनी दूर बैठे तनु को क्या मालूम कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई देखते हुए सबकी सहूलियत अनुसार कैसे मैंने सब कुछ एडजस्ट किया हुआ है। हरेक बात पर उसकी सलाह सुनकर ऐसा लगने लगा है मानो मुझमें तो जरा भी समझ नहीं, उसके भरोसे ही मेरी गृहस्थी चल रही है।

सही ही है, कभी-कभी तो किसी अपने का अपनों को समझाना या अक्ल की चार बातें बताना मन को भला लग लग सकता है किंतु रोज-रोज की यही सलाह फिर सही नहीं लगती। न ही यह उचित जान पड़ता है कि हरदम दूसरों के घर-गृहस्थी के मामले में इतना हस्तक्षेप किया जाए कि आपसी बातचीत से व्यक्ति कतराने लगे और संबंधों में भी दरार व तनाव की स्थिति आने लगे। ध्यान रहे, हर किसी का अपनी सुविधानुसार काम करने का ढंग होता है और फिर उसी अनुसार घर में रूटीन बँधा होता है जिसे सिर्फवही समझ सकता है। तो ऐसे में किसी दूसरे का जरूरत से ज्यादा दलखअंदाजी करना सही नहीं होता है। अत: रीमा व तनु की भाँति संबंधों में खटास न आने पाए, इसके लिए यदि कुछ खास बातों पर गौर कर लिया जाए तो इस स्थिति से काफी हद तक बचा जा सकता है-

- संबंध कितने भी घनिष्ठ क्यों न हों, बात-बात पर अपने नाते-रिश्तेदारों को सलाह देना बातचीत का अहम मुद्दा न बनाएँ। इसमें न तो आपका बड़प्पन है न ही आपके व्यवहार की परिपक्वता दिखाई देती है।
- हर किसी की अपनी जरूरतें तथा परेशानियाँ होती हैं जिनके तहत वह रोजमर्रा के कार्य करता है। इसलिए दूसरे के व्यक्तिगत मामलों में अपनी सोच अनुसार न तो तर्क दें और न ही उनमें मीनमेख निकालने का बेवजह प्रयत्न करें।
- बात-बात पर 'भई! हम तो तुम्हारे अपने हैं, तुम्हें अपना मानते हैं इसीलिए समझाते हैं, हर बात का भला-बुरा बताते हैं' कहते रहना कहीं से भी शोभा नहीं देता। कोई कितना भी आपके करीब क्यों न हो तब भी जब देखो तब न तो दूसरे के द्वारा अपनी कमियाँ सुनना चाहता है, न ही अपने काम की तुलना करना पसंद करता है।
- याद रखें! यदि आप कभी किसी को कुछ राय अथवा सलाह देते हैं या कभी देना चाहते हैं तब भी संबंधित व्यक्ति तक ही इसको सीमित रखें न कि चारों ओर अपनी दी हुई सीख का गुणगान ही करते रहें। ऐसा कहने से स्वयं को अधिक योग्य व श्रेष्ठ तो साबित कर नहीं पाएँगे, बल्कि इससे आपसी संबंधों में नकारात्मक असर हो मान-प्रतिष्ठा व इज्जत में जरूर कमी आ सकती है।
- हम सभी जानते हैं कि सम्पूर्ण रूप से प्रतिभावान अथवा गुणगान कोई नहीं होता, पर हाँ! हर व्यक्ति में कोई न कोई खासियत या खूबी अवश्य होती है। इसलिए लंबे समय तक रिश्तों में स्नेह-प्रेम बनाए रखना चाहते हैं तो केवल सलाह न देकर एक-दूसरे की कमियों को नजरअंदाज कर आपसी प्रशंसा करना भी अवश्य जानें। जहाँ यह रिश्तों की भलाई के लिए अत्यंत जरूरी है वहीं इससे संबंधों में मिठास व माधुर्य सदैव के लिए बना रहता है।

अत: आपकी गरिमा व इज्जत स्वयं आपके ही हाथ है। अपना समझ जब किसी को उसके कहने पर आवश्यकतानुसार ही सलाह देंगे तब वह भी आपको अपना मान उन सभी पर अमल करेगा तथा तहेदिल से शुक्रगुजार हो आपके अपनेपन का मान-सम्मान बरकरार रखेगा। इसके अलावा सबसे जरूरी बात यह है कि जब आप बिन कहे बात-बात पर अपनी राय-मशविरा नहीं देंगे तभी सही मायने में आपकी सुझाई हुई बात का मान या मूल्य बना रहेगा, उसका प्रभाव सर्वत्र दिखेगा और आपसी रिश्तों में भी अपनत्व व एक-दूसरे के प्रति लगाव पूर्ववत बना रह सकेगा।

दिल खोलकर हंसें, ऊर्जावान रहें

घर में हों या बाहर हों, प्रत्येक इंसान की जिंदगी में उतार-छढ़ाव आते ही रहते हैं। सुख-दुख हमारी जिदगी के मुख्य अंग हैं। खुशी के पल तो आसानी से कट जाते हैं परन्तु दुख का समय काटे नहीं कटता। इंसान दुख के भंवर में फंस कर कुछ न कुछ उल्टा-पुल्टा विचार करता रहता है, उसकी भूख-प्यास खत्म हो जाती है, किसी से भी बात करना उसे अच्छा नहीं लगाता। तनाव, परेशानी प्रत्येक के जीवन में आते हैं लेकिन जब इंसान कुछ कर नहीं पाता और स्थितियां उसके वश से बाहर हो जाती हैं तो वह सब भाग्य और वक्त के सहारे छोड़ देता है क्योंकि उनके बारे में बार-बार सोच कर या तो वह अपना खून जला-जला कर स्वयं को रोगी बना लेता है या अपने दुख के कारण बाकी अपनों को भी दुखी कर देता है।

ऐसे में जरूरत है एक मुस्कुराहट की। थोड़ी-सी भी हंसी जिसके पास है वह अपने उदास जीवन में खुशियों के रंग भर सकती है।

कई बार ऐसा होता है कि आपको किसी दिन किसी न किसी कारणवश कोई तनाव हो जाता है तो आप स्वयं में ही उलझ जाते हैं। एसे में जब अचानक ही आपको कोई ऐसी बात याद आ जाती है जिससे कि बरबस आपके होंठों पर एक मुस्कान आ जाती है तो आप पलभर में ही कुछ देर के लिए तनाव को भूल जाते हैं और स्वयं को हल्का-फुलका महसूस करने लगते हैं।

जीवन को सकारात्मक रूप से जीना स्वयं आपके हाथ में होता है। एक जरा-सी मुस्कुराहट इंसान को जीना सिखाने के साथ-साथ उसके जीवन-परिवर्तन में भी काफी सहायक होती है। जरा-सा हंस देने से नकारात्मकता स्वयं ही दूर हो जाती है। आपको खुश देख कर आपके आसपास भी पॉजीटिव एनर्जी का वातावरण पैदा हो जाता है। ध्यान रखें कि हमेशा दिल से हंसें न कि दिखावटी हंसी। हंसना भी कई तरह का होता है जैसे कि मुस्कुराना ठहाके हंसना और सामान्य रूप से हंसना।

हंसने के और भी कई फायदे होते हैं। खुल कर हंसने से हमारे शरीर से अतिरिक्त कैलोरीज खत्म होती है जससे वजन नियंत्रण में सहायता मिलती है। हंसने से हमारे चेहरे की मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्न होता है जिससे रक्त-संचालन में तेजी आती है और चेहरा ताजगी से भर उठता है। हंसने से हमारे फेफड़ों और चेहरे की अच्छी कसरत भी हो जाती है। रक्तसंचार की गति तेज होने से रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है। अधिक ऊर्जा मिलने से शरीर भी स्वस्थ रहता है। कुल मिला कर देखा जाए तो तनाव के क्षणों में इंसी एक औषधि का कार्य करती है।

आजकल लोग टैलीविजन पर भी लाफ्टर से संबंधित प्रोग्राम देखना पसंद करते हैं ताकि पूरे दिन की थकावट और टैंशन को दूर कर सकें। रोगों को दूर करने के लिए दवाइयों की बजाय 'लाफ्टर क्लबों' का प्रजलन बढ़ता ही जा रहा है। सुबह-सुबह लोग घूमते हुए या योग करते हुए तथा ठहाके मारते हुए देखे जा सकते हैं।

ईश्वर ने इंसान को हंसी एक ऐसे वरदान के रूप में प्रदान की है जिस पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता। इसलिए हंसी को एक महत्वपूर्ण चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित करने पर इसे निरंतर विस्तृत किया जा रहा है, लाफ्टर थैरेपी के रूप में। जो लोग हंसमुख होते हैं उनसे हर व्यक्ति दोस्ती करना चाहता है। कुछ लोग किसी भी समस्या के प्रति इतने गंभीर हो जाते हैं कि चेहरे से अपनी असली उम्र से दोगुनी उम्र के नजर दीर्घायु बनाने के साथ-साथ आपको जवान दिखाने में भी सहायक होती है क्योंकि हंसने से झुर्रियों का नाश होता है।

बस अपने दृष्टिकोण में सकारत्मक परिवर्तन लाएंगे तो नकारात्मकता का कोई नामो-निशान नहीं रहेगा। अत: स्वयं भी हंसिए और दूसरों को भी हंसाइए।

पाइनएपल हलवा

सामग्री : 250 ग्राम ताजा पाइनएप्पल बारीक कटा, 1 कप सूजी, 1 टेबलस्पून शुद्ध घी, 10-12 केसर रेशे, 1/2 कप चीनी, 4-6 बादाम बारीक कटे

विधि : नॉन स्टिक कढ़ाई में घी गर्म करें। इसमें सू जी डालकर लगातार चलाते हुए गोल्डन ब्राउन होने तक भूने। केसर डालकर अच्छी तरह मिक्स करें पाइनएप्पल डाले और दो-तीन मिनट और पकाएं। एक कप पानी डालकर मध्यम आंच पर तीन मिनट ढंक कर पकाएं। चीनी डालें और लगातार चलाती रहें जब तक कि चीनी अच्छी तरह घुलन जाए और सूजी पूरी पक न जाए। बादाम से सजाकर सर्व करें।

सर्दियों में सेहत के साथी

ये चीजें आपको आपके किचन में ही मिल सकती हैं। इनमें मूँगफली, तिल, गुड़, खजूर आदि शामिल हैं। ये खाद्यान ठंड में आपकी सेहत के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आइए, इनके गुणों के बारे में जानते हैं कि किस प्रकार इनके इस्तेमाल से आप सर्दियों में अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रख सकते हैं।

मूँगफली

आयुर्वेद की मान्यता है कि मूँगफली का तेल गुणों में जैतून के तेल के समान होता है। मूँगफली कातेल आपकी पाचनशक्ति बढ़ाता है। यह घावों को भरने और चेहरे की चमक बढ़ाने में भी सहायक होता है। मूँगफली में तेल, प्रोटीन, विटामिन बी-1, बी-2 और विटामिन-ई प्रचुरता में उपलब्ध होते हैं।

मूँगफली में प्रोटीन की मात्रा मांस तथा अंडों में उपलब्ध प्रोटीन के बराबर ही होती है। सर्दियों में मूँगफली बरफी बनाकर आप इसे आसानी से अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं। मूँगफली बरफी बनाना आसान है। इसके लिए 500 ग्राम मूँगफली लेकर इसे घी में तल

लें। 1 किलोग्राम गुड़ लेकर इसे कड़ाही में गर्म करके पिघला लें। इसी गुड़ में पिसी हुई 200 ग्राम सौंफडाल दें तथा मूँगफली की गिरियों को इसमें अच्छी तरह मिला दें। यह बरफी आपकी पाचनशक्ति को सुधारने के साथ आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होगी।

तिल

ठंड में त्वचा में रूखापन एक आम समस्या है। तिल के तेल की मालिश त्वचा का रूखापन दूर करती है। साथ ही 10-20 ग्राम काले तिल चबाकर ठंडा पानी पीने से दाँतों की नैसर्गिक चमक बरकरार रहती है। 10 ग्राम काले तिल को पानी के साथ पीसकर इसमें एक चम्मच मक्खन मिलाकर चाटने से खूनी बवासीर (पाइल्स) से होने वाला रक्त-स्त्राव बंद हो जाता है। आप चाहें तो इसमें मिश्री भी मिला सकते हैं। सुबह-शाम यह प्रयोग करें। सर्दियों में छोटे बच्चों में बिस्तर गीला करने की समस्या बढ़ जाती है। इसके निदान के

लिए 100 ग्राम काले तिल व 50 ग्राम अजवाइन को 200 ग्राम गुड़ में मिलाकर खिलाएँ। बालों के झड़ने और सफेद होने से रोकने लिए तिल से बनी गजक का सेवन करें।

गुड़

आयुर्वेद के मतानुसार गुड़ क्षारीय, भारी व स्निग्ध होता है। ठंड के दिनों में यह शक्तिवर्धक है और मूत्र की रुकावटों को दूर करता है। गुड़ जितना पुराना हो उतना अधिक गुणों से युक्त होता है। गुड़ में पाया जाने वाला क्षारीय गुण रक्त की अम्लता को दूर करता है। मेहनतकश एवं खिलाड़ियों के लिए तो यह किसी वरदान से कम नहीं है। बढ़ते बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए गुड़ बहुत लाभकारी होता है। इसका नियमित सेवन शरीर को लाभ पहुँचाता है। भोजन के बाद गुड़ खाना सेहत के लिए लाभकारी होता है। सोंठ या सूखी अदरक के साथ गुड़ का सेवन लाभकारी होता है। ठंड में काले तिल में पुराना गुड़ मिलाकर बनाए लड्डुओं का सेवन दमा, जुकाम जैसी श्वसन तंत्र की बीमारियों में राहत दिलाता है।

खजूर

आयुर्वेद का मानना है कि खजूर हृदय को असीम शक्ति प्रदान करता है। पूरे शरीर में होने वाली जलन को भी यह दूर करता है। यह चिकना और पचने में भारी होता है। खजूर के सेवन से दमे के रोगियों के फेफड़ों से बलगम आसानी से निकल जाता है। यह लिवर को भी शक्ति प्रदान करता है। यह शरीर में रक्त-वृद्धि करता है। लकवा और सीने के दर्द की शिकायत को दूर करने में भी खजूर सहायक होता है। साइटिका रोग से पीड़ितों को

भी इसके सेवन से लाभ होता है।

छुआरा यानी सूखा हुआ खजूर अमाशय को बल प्रदान करता है। छुआरे को दूध में उबालकर पीने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। छुआरे की तासीर गर्म होने से ठंड के दिनों इनका सेवन नाड़ी के दर्द में भी आराम देता है

हेल्थ प्लस

अनीमिया

जब व्यक्ति स्वस्थ होता है तो हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर पुरुषों में प्रति सौ मिलीलीटर रक्त में 13 ग्राम और स्त्रियों में 12 ग्राम माना जाता है। जब यह स्तर कम हो जाता है तो व्यक्ति में खून की कमी मानी जाती है। विशेषज्ञ हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच कर ही अनीमिया रोग के बारे में पता लगाते हैं। अनीमिया का प्रमुख कारण लौह तत्व या आयरन की कमी है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक रक्तस्त्राव भी इसका कारण हो सकता है।

हमारे भोजन में कुछ स्वास्थ्यप्रद पदार्थ होते हैं, जिन्हें पोषक तत्व कहा दाता है जिनमें से लौह तत्व एक महत्वपूर्ण घटक है। यह लौह तत्व रक्त निर्माण के लिए बहुत अनिवार्य होता है। इस लौह तत्व या आयरन की कमी के कारण रक्तक्षीणता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

रक्त की कमी अर्थात अनीमिया एक ऐसा ही रोग है जिसका कारण है शरीर में रक्त बनने के लिए जिन तत्वों की आवश्यकता होती है उनकी कमी होना। यह कमी अधिकतर गर्भवती महिलाओं, बच्चों व लड़कियों में देखने को मिलती है।

हमारे शरीर में विशाल संख्या में लाल रक्त कण होते हैं। इन लाल रक्त कणों का कार्य फेफड़ों से ऑक्सीजन सारे शरीर को पहुंचाना होता है। इन लाल रक्त कणों में एक रासायनिक पदार्थ पाया जाता है हीमोग्लोबिन, जो ऑक्सीजन को शरीर के अन्य भागों में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जब व्यक्ति स्वस्थ होता है तो हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर पुरूषों में प्रति सौ मिलीलीटर रक्त में 13 ग्राम और स्त्रियों में 12 ग्राम माना जाता है। जब यह स्तर कम हो जाता है तो व्यक्ति में खून की कमी मानी जाती है। विशेषज्ञ हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच कर ही अनीमिया रोग के बारे में पता लगाते हैं। अनीमिया का प्रमुख कारण लौह तत्व या आयरन की कमी है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक रक्तस्त्राव भी इसका कारण हो सकता है।

हमारे शरीर के लिए लौह तत्व बहुत जरूरी है और हीमोग्लोबिन का प्रमुख भाग है। हीमोग्लोबिन के कारण ही लाल रक्त कण फेफड़ों में ऑक्सीजन ग्रहण कर शरीर के दूसरे भागों तक पहुंचाते हैं और यह तो हम जानते ही हैं कि बिना ऑक्सीजन के हमारा शरीर कोई कार्य नहीं कर सकता। सारे जीवित ऊतक भी ऑक्सीजन के अभाव में मृत हो जाते हैं। हीमोग्लोबिन के कारण ही लाल रक्त कण अवशिष्ट पदार्थ जैसे कार्बन डाईऑक्साइड आदि फेफड़ों को वापस पहुंचाते हैं इसलिए हीमोग्लोबिन हमारे जीने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शरीर में 75 प्रतिशत लौह तत्व हीमोग्लोबिन के रूप में मौजूद होता है और लौह तत्व का थोड़ा प्रतिशत अस्थि मज्जा, जिगर व स्पलीन में जमा होता है, जो हमारी जरूरत के अनुसार रक्त में हीमोग्लोबिन बनाने के लिए मुक्त कर दिया जाता है। लौह तत्व की थोड़ी-सी मात्रा हमारे शरीर की मांसपेशियों में भी होती है पर यह लौह तत्व मायोग्लोबिन नामक प्रोटीन का ही भाग होता है।

अनीमिया गर्भवती महिलाओं व बच्चों में अधिकतर देखने को मिलता है। मासिक स्त्राव के समय भी महिलाओं में लौह तत्व की कमी होती है क्योंकि मासिक स्त्राव के दिनों में एक दिन में करीब 5 मिलीग्राम लौह तत्व की कमी होती है जो हमारे भोजन और खून के भंडार से पुन: बन जाता है। जिन महिलाओं को भारी रक्तस्त्राव होता है उनमें यह कमी अधिक होती है। गर्भवती महिलाओं को भी लौह तत्व की अधिक आवश्यकता होती है क्योंकि उन्हें स्वयं व बच्चे, दोनों को जरूरी लौह तत्व की पूर्ति करनी होती है इसलिए उन्हें अधिक लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। बच्चों को भी लौह तत्व की आवश्यकता अधिक होती है क्योंकि उनमें विकास जल्दी होता है और अगर शरीर का आकार बढ़ता है तो आपको और रक्त की आवश्यकता है अर्थात अधिक लाल रक्त कण या अधिक लौह तत्व और अगर आपको भोजन से वह लौह तत्व नहीं प्राप्त होता तो आप अनीमिया का शिकार हो सकते हैं।

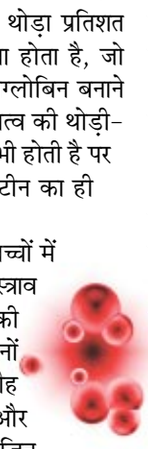

अनीमिया के लक्षण थरकावट, डिप्रैशन, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर, पीलापन, नाखूनों का पीलापन है। अगर आपको ऐसे लक्षण लगते हैं तो आप रक्त की जांच करवा कर यह पता लगा सकते हैं कि आप अनीमिया के शिकार हैं या नहीं। डाक्टर अनीमिया होने पर आयरन टैबलेट, कैप्सूल आदि खाने को देते हैं लेकिन आप अनीमिया के शिकार पुन: न हों इसलिए अपने भोजन में आयरन की मात्रा सही रखें व संतुलित भोजन लें।

आयरन के अच्छे स्त्रोत हैं मांस, अखरोट, केला, आड़ू, मेवे, बींस, अंकुरित दालें, बंदगोभी, गाजर, खीरा, दालें, प्याज, मटर, आलू, सोयाबीन, पालक, मेथी, अंडे आदि। इसलिए इन्हें अपने भोजन का अंग बनाइए।

रक्त निर्माण के लिए मां के शरीर से बच्चा लौह तत्व का बड़ी मात्रा में उपयोग करता है। अत: मां के शरीर में लौह तत्व का एक बड़ा भंजार संग्रहित करना अनिवार्य होता है। पैदा होने पर बच्चे के शरीर में लौह तत्व बड़ी मात्रा में जमा होना चाहिए क्योंकि मां के दूध में, जिस पर र्क महीनों तक बच्चा आश्रित रहता है, लौह तत्व पर्याप्त नहीं होता। लोहे की कमी के कारण बहुत से बच्चों में अनीमिया रोग हो जाता है इसलिए गर्भवती महिलाओं को लौह तत्व युक्त खाद्यान्नों का सेवन नियमित करना चाहिए।

सिंपल टिप्स फॉर मसाज

प्रतिदिन तेल मालिश करने से बुढ़ापे के लक्षण और थकावट नष्ट होती है। दृष्टि निर्मल होती है, शरीर पुष्ट होता है, आयु बढ़ती है, नींद अच्छी आती है, त्वचा निर्मल, चमकीली और झुर्रीरहित होती है एवं शरीर सुदृढ़ बना रहता है।

जो तेल जिस पदार्थ से निकाला गया होता है, वह उसी पदार्थ के गुणों को धारण करता है, यह बात बाकी सभी तेलों के गुणों को जानने के लिए पर्याप्त है। जिस प्रकार तेल के लेप से घड़ा, तेल लगाने से चमड़ा, गाड़ी के पहिए का अक्ष यानी धुरी (एक्सिल) या लाठी आदि पदार्थ मजबूत और रगड़ को सहने की क्षमता वाले हो जाते हैं। उसी प्रकार शरीर पर तेल की मालिश करने से त्वचा दृढ़ और सुन्दर होती है, शरीर मजबूत होता है। वातजन्य रोग नहीं होते तथा शरीर में श्रम, व्यायाम और क्लेश सहने की शक्ति आती है।

मालिश की गुणवत्ता और उपयोगिता इसी से सिद्ध होती है कि जन्मकाल से ही मालिश हमारा साथ देने लगती है। नवजात शिशु के शरीर पर, घर की बुजुर्ग महिला या दाई द्वारा, आटे की तेल युक्त लोई फेरकर तेल से मालिश करने की परम्परा चली आ रही है।

रूप और यौवन की रक्षा

तेल मालिश करने से त्वचा चिकनी, स्पर्श में कोमल, बलवान और देखने में सुन्दर हो जाती है। शरीर सुन्दर, बलवान और प्रियदर्शी होता है तथा बुढ़ापे के लक्षण बहुत कम प्रकट होते हैं। आप स्वयं नित्य नियमपूर्वक मालिश करके इसके गुण-लाभ देख सकते हैं कि आपके शरीर के स्वास्थ्य, रूप और यौवन पर कितना अच्छा प्रभाव पड़ता है।